

दैनिक

मीडियाऑडिटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

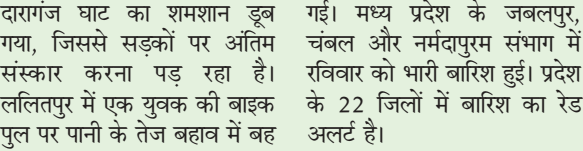
दिल्ली-
एनसीआर
में बारिश



नई दिल्ली /लखनऊ, एजेंसी। दिल्ली-NCR के कई इलाकों में सोमवार सुबह तेज बारिश हुई। इससे संगम विहार, दुर्गा विहार और कर्नाट प्लेस समेत कई इलाकों में 3-4 फीट तक पानी भर गया। घर, दुकानों में पानी घुस गया। सड़कों पर गाड़ियां फंस गईं। यूपी में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। 19 जिलों में बाढ़ आ गई। 92 गांवों में फसलें खराब हुई हैं, जबकि 26 गांव टापू बन गए हैं।

काशी में गंगा का पानी बढ़ने से दशाश्वमेध घाट की पुलिस चौकी डूब गई। प्रयागराज के

कई इलाकों में 3 फीट पानी



दारागंज घाट का शमशान डूब गया, जिससे सड़कों पर अंतिम संस्कार करना पड़ रहा है। ललितपुर में एक युवक की बाइक पुल पर पानी के तेज बहाव में बह गई। मध्य प्रदेश के जबलपुर, चंबल और नर्मदापुरम संभाग में रविवार को भारी बारिश हुई। प्रदेश के 22 जिलों में बारिश का रेड अलर्ट है।



छत्तीसगढ़ के मुंगेली में पैदल जा रही एक महिला पर बिजली गिर गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बिलासपुर में स्कूल से घर लौट रहे 3 बच्चे घोघा नदी में बह गए। बलरामपुर में भी कन्हर नदी पार कर रहा युवक तेज बहाव में बह गया। उसकी तलाश जारी है।

बिहार में बक्सर से भागलपुर तक गंगा उफान पर है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में एक मजदूर यमुना नदी में फंस गया। SDRF टीम ने मजदूर को नदी से बाहर निकाल लिया। हिमाचल प्रदेश में 125 सड़कें बंद हैं।

फडणवीस बोले-असल में एक दिन का सीएम बनना आसान नहीं



मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि फिल्मों में अनिल कपूर जैसे एक्टर एक दिन के लिए मुख्यमंत्री बन सकते हैं, लेकिन असल जिंदगी में मुख्यमंत्री बनना इतना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान और लोकतंत्र की ताकत ऐसी है कि जो व्यक्ति कभी पार्षद बनने की भी कल्पना नहीं करता था, वह मुख्यमंत्री बन सकता है। इसी तरह गुजरात के रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने वाला एक बच्चा देश का प्रधानमंत्री बन सकता है। अगर कोई व्यक्ति पूरी लगन

फडणवीस बोले- उन्हें लगा हमेशा विपक्ष में ही रहेंगे... फडणवीस ने अपने शुरुआती राजनीतिक दिनों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने वैचारिक प्रतिबद्धता के कारण राजनीति में कदम रखा था। उस समय उनकी पार्टी विपक्ष में थी।

बनने की जिम्मेदारी मिली।

20 साल की उम्र में 18 दिन जेल में रहे: मुख्यमंत्री ने राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान अपने अनुभव भी साझा किए। उन्होंने बताया कि 20 साल की उम्र में वह प्रयागराज से अयोध्या की ओर गए थे।

: त्रीफ बॉक्स :

चिदंबरम ने वन नेशन वन इलेक्शन को असंवैधानिक बताया

समिति से बोले- मेरा जमीर इसके समर्थन की गवाही नहीं देता



नई दिल्ली,एजेंसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने सोमवार को लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रस्ताव का विरोध किया। उन्होंने संसद की संयुक्त समिति के सामने इसे 'राक्षसी' और 'असंवैधानिक' पहल बताया।पूर्व गृह और वित्त मंत्री ने कहा कि एक देश, एक चुनाव के तहत पूरे देश में चुनाव कराने का प्रस्ताव 'बिना सोचे-समझे' किया गया काम है।पुत्रों के मुताबिक, चिदंबरम ने यह राय संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्रशासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पर समिति के सामने रखी।

दिल्ली से पटना आ रही फ्लाइट से पक्षी टकराया:164 यात्री सवार थे

7 दिन में पटना एयरपोर्ट पर बर्ड हिट की दूसरी घटना

पटना,एजेंसी। पटना एयरपोर्ट पर सोमवार सुबह बर्ड हिट का मामला सामने आया है। दिल्ली से 164 यात्रियों को लेकर पटना आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट से पक्षी टकरा गया। अधिकारियों ने बताया कि फ्लाइट 1741 सुबह 7:43 बजे सुरक्षित रूप से उतरी।एहतियात के तौर पर एयरपोर्ट अधिकारियों ने इमरजेंसी लैंडिंग प्रोटोकॉल लागू कर दिया था और फायर व अन्य संबंधित सेवाओं को तैनात कर दिया था।

ईरान होर्मुज में जहाजों से टोल वसूलेगा, संसद की मंजूरी

● रियाल और पसंद की करेंसी में पेमेंट लेगा; बदले में सुरक्षा और इंश्योरेंस देगा

तेहरान,एजेंसी। ईरान की संसद ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों से टोल यानी टैक्स या फीस लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी के मुताबिक, जिन देशों के जहाजों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति होगी, उनसे समुद्री सेवाओं के बदले शुल्क लिया जाएगा।

ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रवक्ता हसन काशकबी के मुताबिक, फीस के बदले समुद्री सेवाएं, सुरक्षा



और इंश्योरेंस जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। इसके अलावा पर्यावरण संबंधी सेवाएं और खास परिस्थितियों में ईंधन भी दिया जाएगा। भुगतान ईरानी रियाल या ईरान की पसंद की किसी दूसरी करेंसी में किया जा सकेगा।

35 साल पुराने वंधामा नरसंहार की दोबारा जांच होगी

9 महिलाओं, 4 बच्चों समेत 23 कश्मीरी पंडितों की हत्या हुई थी

श्रीनगर,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (SIA) ने 1998 के वंधामा नरसंहार की जांच दोबारा शुरू कर दी है। इस हत्याकांड में 23 कश्मीरी पंडितों की हत्या कर दी गई थी। मरने वालों में 9 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल थे। सूत्रों के मुताबिक, SIA ने मामले से जुड़े सबूत जुटाने के लिए कश्मीर घाटी में कई जगहों पर तलाशी ली है। एजेंसी कश्मीरी पंडितों की दूसरी हत्याओं के मामलों की भी फिर से जांच कर रही है। इनमें कश्मीरी पंडित नेता टीका लाल टट्टल और जस्टिस नीकंठ गंजू की हत्या के मामले भी शामिल हैं। जांच एजेंसी हमलों में शामिल आतंकियों और ओवरग्राउंड वर्कर्स की पहचान कर उनकी भूमिका का पता लगाने की कोशिश कर रही है। इसमें जेल में बंद JKLF प्रमुख यासीन मलिक को मास्टरमाइंड बताया गया है। यासीन अभी तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा है। इसके अलावा कश्मीरी पंडित लेखक

सरला भट और प्रेमी हत्याकांड भी जांच के दायरे में... S ने कश्मीरी पंडित नर्स सरला भट की 1990 में हुई हत्या की जांच भी दोबारा शुरू की थी। जून में एजेंसी ने इस मामले में 737 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी।

सर्वानंद कौल प्रेमी और उनके बेटे वॉरेंड कौल की हत्या से जुड़े मामले में भी SIA ने तलाशी और जांच की कार्यवाई की है।

गरीब लाइन में हैं, लज्जरी मुकदमेबाजी नहीं चलेगी

सुप्रीम कोर्ट ने 11 साल पुराने केस में लगाया भारी जुर्माना

नई दिल्ली,एजेंसी। देश की अदालतों में आम और गरीब फरियादी न्याय की उम्मीद में सालों लाइन में इंतजार कर रहे हैं। वहीं, अमीर लोगों के मुकदमों पर जल्दी सुनवाई हो जा रही है। अमीर लोगों द्वारा की जाने वाली लज्जरी मुकदमेबाजी पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने श्रुकार को असरदार लोगों के लज्जरी मुकदमों में शामिल होने के तरीके को गलत बताया, जिससे

11 साल तक लिया कोर्ट का समय... बेंच ने कहा, 'इनमें से हर पार्टी हमारे पास किसी गलत काम की शिकायत लेकर आई है, और हर कोई इसके लिए काफी हद तक जिम्मेदार रहा है। इन दोनों ने मिलकर 11 साल तक बार काउंसिल, एक HC और इस कोर्ट का समय लिया है। वह समय दूसरे केस लड़ने वालों का था, जो उस राहत का इंतजार कर रहे थे जिसकी उन्हें सच में जरूरत थी।

का जुर्माना लगाया है। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने एक्ट्रेस रेहाना खान और उनके वकील

अप्रैल से अबतक 150 पाकिस्तानी दुल्हनें भारत पहुंचीं

ऑपरेशन सिंदूर के बाद से वीजा बैन था; 300 अब भी शादी के इंतजार में

नई दिल्ली,एजेंसी। पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने वीजा और बॉर्डर बंद कर दिए थे। सरकार के इस कदम से उस वक्त करीब 150 पाकिस्तानी महिलाओं की शादियां रुक गई थीं। इन महिलाओं की भारत में रहने वाले पुरुषों से सगाई हो चुकी थी और वे अपने ससुराल जाने का इंतजार कर रही थीं। काफी कोशिशों के बाद केंद्र सरकार ने इन सिंधी महिलाओं और उनके रिश्तेदारों को

शादी के लिए भारत आने का वीजा जारी किया। पाकिस्तान से दुल्हनें और उनके रिश्तेदार मस्कट, दुबई, श्रीलंका और दूसरे देशों के रास्ते भारत पहुंचे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदले हालात... पाकिस्तान से आए सिंधी प्रवासियों के लिए काम करने वाले झाबिया ने PTI को बताया कि इस तरह की शादियों के लिए सिंधी समुदाय के लोग पहले पंजाब में वाघा-अटारी सीमा से भारत आते थे।

नागपुर के नेता राजेश झाबिया ने रविवार को बताया कि आखिरकार उनका लंबा इंतजार खत्म हो गया है।

उत्तराखंड में डाकिया नहीं, अब ड्रोन पहुंचाएगा डाक, पौड़ी से शुरू होगा

असम-हिमाचल के पहाड़ों में 150 रूट तैयार हो चुके

देहरादून,एजेंसी। उत्तराखंड के दुर्गम पहाड़ी गांवों तक डाक पहुंचाने के लिए अब डाकिए को लंबा सफर तय नहीं करना पड़ेगा। डाक विभाग ड्रोन के जरिए डाक और पार्सल पहुंचाने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए प्रदेश में संभावित ड्रोन रूट तैयार किए जा रहे हैं। शुरुआत पौड़ी जिले से किए जाने की संभावना है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत पहले ऐसे इलाकों को चुना जाएगा, जहां सड़क के रास्ते डाक पहुंचाने में ज्यादा समय लगता है। ट्रायल सफल रहा तो दूसरे पहाड़ी जिलों में भी ड्रोन डिलीवरी शुरू की जा सकती है। इससे खासतौर पर दूरस्थ गांवों में डाक पहुंचाने का समय कम होगा। उत्तराखंड में बारिश, भूस्खलन और बर्फबारी के दौरान कई बार सड़क संपर्क बाधित हो जाता है। ऐसे में ड्रोन डिलीवरी सिर्फ

सामान्य डाक के लिए ही नहीं, बल्कि आपदा के समय जरूरी दस्तावेज और दूसरी आवश्यक सामग्री पहुंचाने में भी काम आ सकती है। पहले असम और हिमाचल में तैयार हुआ मॉडल: डाक विभाग ने ड्रोन डिलीवरी का मॉडल पहले असम और हिमाचल प्रदेश में तैयार किया है। दोनों राज्यों में करीब 150 ड्रोन रूट बनाए गए हैं। हिमाचल प्रदेश के मंडी में ड्रोन के जरिए तिरंगा पहुंचाने का ट्रायल भी

किया जा चुका है। इन प्रयोगों से मिले अनुभव के आधार पर अब उत्तराखंड के लिए ड्रोन डिलीवरी का मॉडल तैयार किया जा रहा है। पहाड़ी भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए यहां अलग-अलग इलाकों के लिए हवाई रूट तय किए जाएंगे।

डाक पहुंचाने में समय और मेहनत दोनों बचेगें: उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में डाक पहुंचाने के लिए कर्मचारियों को कई बार लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। सड़क खराब होने या रुक बंद होने पर डिलीवरी और मुश्किल हो जाती है। मानसून के दौरान भूस्खलन के कारण कई मार्ग घंटों या दिनों तक बंद रहते हैं। ड्रोन के इस्तेमाल से सड़क मार्ग को इन बाधाओं को काफी हद तक पार किया जा सकेगा। इससे डाक कर्मचारियों का समय और मेहनत बचेगी और दूरस्थ इलाकों तक सामान

आपल के समय भी काम आएगा... उत्तराखंड में मानसून और सर्दियों के दौरान कई इलाकों का सड़क संपर्क टूट जाता है। ऐसे समय में ड्रोन के जरिए जरूरी सामग्री भेजी जा सकती है। इससे सड़क बंद होने की स्थिति में भी कुछ जरूरी सेवाओं को जारी रखने में मदद मिल सकती है।

पहुंचाने की प्रक्रिया भी तेज हो सकती है। हिमाचल में 12 किमी की दूरी 6-7 मिनट में तय हुई: ड्रोन डिलीवरी की रफ्तार का अंदाजा हिमाचल प्रदेश के मंडी में हुए ट्रायल से लगाया जा सकता है। यहां करीब 12 किलोमीटर की दूरी ड्रोन ने सिर्फ 6 से 7 मिनट में पूरी की थी। सड़क से यही दूरी तय करने में ज्यादा समय लग सकता है। उत्तराखंड में भी इसी तरह के मॉडल को पहाड़ी इलाकों के हिसाब से तैयार करने की योजना है।

महाराष्ट्र में सरकारी अस्पताल में

आग 3 बच्चों की मौत, 36 को बचाया

परिजन बोले- गार्ड-नर्स सबसे पहले पहुंचे, धुआं भरे वार्ड से नवजातों को निकाला

अमरावती,एजेंसी। महाराष्ट्र के अमरावती जिला महिला अस्पताल के NICU में सोमवार सुबह करीब 3:30 बजे आग लग गई। तीसरी मंजिल पर स्थित इस चाइल्ड केयर यूनिट में उस समय 39 नवजात भर्ती थे। इनमें 3 नवजातों की मौत हो गई। 36 को बचाया गया।

अमरावती के पुलिस कमिश्नर राकेश ओला के मुताबिक, NICU के तीन कंपार्टमेंट में से एक में 9 नवजात भर्ती थे। आग इसी हिस्से में फैली, जिसमें 3 बच्चे उसकी चपेट में आ गए। बाकी 6 बच्चों को इलाज के लिए दूसरी जगह शिफ्ट किया गया है। इन छह बच्चों की मौजूदा स्थिति को लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

योगेश ने बताया कि वे पहली मंजिल पर पहुंचे और अपने बच्चे को गोद में लेकर नीचे भागे। उन्होंने बताया कि वहां मौजूद दूसरे बच्चों के शरीर पर काली राख जमी हुई थी। परिजन अपने बच्चों को बचाने के लिए वार्ड की ओर दौड़ रहे थे।

परिजन बोले- धुएं से भरे वार्ड में सबसे पहले गार्ड और नर्स पहुंचे... अचलपुर के रहने वाले योगेश सावर्कर ने बताया कि उनकी पत्नी और 8 दिन का बच्चा अस्पताल में भर्ती था। वह रात में अस्पताल के बाहर सो रहे थे। NICU में आग और धुआं फैलते ही अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई।

योगेश के मुताबिक, गार्ड सबसे पहले बच्चों को बचाने के लिए वार्ड में पहुंचे। उन्होंने बच्चों को बाहर निकालना शुरू किया। एक नर्स भी बच्चों की जान बचाने में मदद कर रही थी। आग तेजी से फैल रही थी और वार्ड में धुआं भर गया था, जिससे कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। परिजनों का दावा है कि आग लगने के बाद वॉटर स्प्रे सिस्टम काम नहीं कर रहा था। उनका कहना है कि सिस्टम तुरंत सक्रिय होना चाहिए था। अब परिवार अस्पताल की फायर सेफ्टी व्यवस्था की जांच और जिम्मेदारी तय करने की मांग कर रहे हैं।

पश्चिमी हिमालय में तेजी से बढ़ रहा तापमान, बर्फ पिघलने का बढ़ा खतरा, रिसर्च ने बढ़ाई हिमाचल की चिंता

शिमला, एजेंसी। हिमालय को अक्सर एक समान जलवायु क्षेत्र माना जाता है, लेकिन नए वैज्ञानिक अध्ययन ने इसकी तस्वीर बदल दी है। 1901 से 2020 तक के 120 वर्षों के तापमान आंकड़ों और आठ वैश्विक जलवायु माडलों के विश्लेषण में सामने आया है कि पश्चिमी हिमालय लद्दाख, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश मध्य और पूर्वी हिमालय की तुलना में तेजी से गर्म हो रहा है। आने वाले दशकों में इसी क्षेत्र में बर्फ के सबसे अधिक नुकसान का खतरा है। जर्नल आफ अर्थ सिस्टम साइंस में प्रकाशित अध्ययन वल्नरेबिलिटी आफ द हिमालयन रीजन अंडर क्लाइमेट चेंज में भारतीय हिमालय को पश्चिमी, मध्य और पूर्वी तीन हिस्सों में बांटकर 2100 तक के संभावित बदलावों का आकलन किया गया। शोध में बीआइटी मेसरा, भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आइआइटीएम), पुणे और अशोका विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक शामिल रहे। अध्ययन के अनुसार 1901-30 के औसत की तुलना में 2014 तक सर्दियों में पश्चिमी हिमालय का तापमान



1.06 डिग्री तक बढ़ चुका था। बसंत में यह वृद्धि 1.08 डिग्री रही। वहींमध्य हिमालय में सर्दियों में 0.96 डिग्री और बसंत में 0.83 डिग्री तथा पूर्वी हिमालय में 1.09 डिग्री और 0.83 डिग्री वृद्धि दर्ज की गई। शोधकर्ताओं ने ग्लेशियर-बर्फ निगरानी, सैटेलाइट डेटा, उच्च-रिजोल्यूशन माडल, शुरुआती चेतावनी प्रणाली और सतत जल प्रबंधन को मजबूत करने की सिफारिश की है।

रतें दिन से ज्यादा गर्म: शोध की सबसे अहम चिंताओं में रात के तापमान में तेज वृद्धि है। पश्चिमी हिमालय में सर्दियों का न्यूनतम तापमान 1.23 डिग्री जबकि अधिकतम तापमान 0.87 डिग्री बढ़ा। बसंत में रात का तापमान 1.25 डिग्री और दिन का 0.91 डिग्री बढ़ा। गर्म रातों का मतलब बर्फ के दोबारा जमने के घंटे कम होना और पिघलाव बढ़ना है। यदि उत्सर्जन मौजूदा ऊंची रफ्तार से जारी रहा तो 2081-2100 तक पश्चिमी हिमालय की सर्दियां शुरुआती

20वीं सदी के मुकाबले 7.18 डिग्री और बसंत 6.91 डिग्री तक गर्म हो सकते हैं। मध्य हिमालय में यह वृद्धि 6.71 डिग्री और

6.41 डिग्री तथा पूर्वी हिमालय में 5.82 डिग्री और 5.16 डिग्री अनुमानित है।

32 किलो प्रति वर्ग मीटर बर्फ कम होने का अनुमान

शोध के आधार पर ये बताया गया है कि बसंत में पश्चिमी हिमालय में सदी के अंत तक कम उत्सर्जन की स्थिति में भी 32 किलो प्रति वर्ग मीटर बर्फ कम होने का अनुमान है। उच्च उत्सर्जन में यह नुकसान 95.9 किलो प्रति वर्ग मीटर तक पहुंच सकता है। यानी उच्च उत्सर्जन पथ में बसंत की बर्फ का नुकसान कम उत्सर्जन की तुलना में करीब तीन गुना होगा।

क्यों महत्वपूर्ण है हिमालय

हिमालय से सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी प्रमुख नदियां निकलती हैं और इन पर करीब 1.5 अरब लोगों की आजीविका और जल जरूरतें निर्भर हैं। सर्दियों में कम बर्फ जमने और बसंत में तेजी से पिघलने से भविष्य में नदियों में पानी पहुंचने के समय और मात्रा में बदलाव हो सकता है। शोधकर्ताओं ने चेताया है कि पश्चिम की ओर ग्लेशियर झील विस्फोट बाढ़ का खतरा भी बढ़ सकता है।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश के बाद भी उमस ने बढ़ाई बेचैनी, मौसम विभाग ने बताया कब मिलेगी राहत



नई दिल्ली, एजेंसी। रविवार को दिल्ली के कई हिस्सों में हुई वर्षा के बावजूद लोगों को उमस और पसीने से पूरी राहत नहीं मिली। अधिकतम तापमान 35.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.0 डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 25.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज हुआ। वर्षा के आंकड़ों पर नजर डालें तो सुबह साढ़े आठ बजे तक दिल्ली के विभिन्न इलाकों में हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई। सफदरजंग और मयूर विहार में 6.5 मिमी, जबकि पूसा में सर्वाधिक 16.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

पूरी तरह से राहत के लिए करना होगा इंतजार: मौसम विभाग का कहना है कि हवा में नमी का स्तर ज्यादा रहने के कारण लोगों को चिचपिच गमी महसूस कर रही है। आने वाले दिनों में दिल्ली में अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। हल्की वर्षा का सिलसिला जारी रहने का अनुमान है, लेकिन पूरी तरह राहत के लिए अभी थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा।

तुमने मेरा घर बर्बाद कर दिया, पहाड़ी से गिरने वाले युवक की मां का पुराना वीडियो आया सामने

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में 250 फीट गहरी खाई से गिरकर जान गंवाने वाले युवक की मां के एक रहस्यमयी पोस्ट ने इस दुखद घटना की पुलिस जांच में एक नया पहलू जोड़ दिया है। वीडियो में 18 साल का कुणाल चंद्रगुडे खाई के किनारे खड़ा होकर आत्महत्या करने की धमकी देता हुआ दिखाई दिया। उसके माता-पिता, मुरलीधर और संगीता, घंटों तक उससे पीछे हटने की गुहार लगाते रहे। फिर उसके पिता ने उसे बचाने के लिए उसका हाथ पकड़ा; लेकिन दोनों का पैर फिसल गया और दोनों की गिरकर मौत हो गई। कुछ ही सेकंड में, दुखी मां ने भी छलांग लगा दी और उसकी भी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि कुणाल ने एक द्रव्यशुद्ध खरीद था लेकिन उसकी किस्मत नहीं चुका पा रहा



था। शुक्रवार सुबह, खाई पर जाने से पहले श्रद्धा को लेकर उसकी अपने पिता से बहस हुई थी। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि कुणाल ने एक साल पहले उसी जगह पर आत्महत्या की कोशिश की थी, और परिवार के बड़े बेटे की मौत के बाद से परिवार में तनाव चल रहा था।

कुणाल की मां का पुराना वीडियो आया सामने: जांच के इस पहलू में पुलिस की दिलचस्पी संगीता के सोशल मीडिया पोस्ट की वजह से बढ़ी, जिसमें



पारिवारिक विवाद की ओर इशारा किया गया था। पोस्ट में उन्होंने कहा, तुमने प्रॉपर्टी के लिए मेरे और मेरे बेटे के हक छीन लिए। तुमने भाइयों और माता-पिता को कभी साथ नहीं रहने दिया। तुमने मेरे खुशहाल परिवार को बर्बाद कर दिया। तुमने मेरे परिवार में जहर छोल दिया। तुमने मेरे बेटे को उसके माता-पिता से अलग कर दिया। तुम्हारी आने वाली सात पीढ़ियां भुगतेंगी। यह मेरा श्राप है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया और

न ही कोई संदर्भ दिया। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि पोस्ट का क्या मतलब था। **पारिवारिक विवाद में उलझा था परिवार:** सूत्रों ने बताया कि दंपति के बड़े बेटे की छह साल पहले बीमारी के कारण मौत हो गई थी। तब से वे पारिवारिक विवाद में उलझे हुए थे। घर में तनाव के कारण, मुरलीधर ने खुद को काम में पूरी तरह डुबो लिया था और महीनों तक घर नहीं आते थे। परिवार के सदस्यों की मौत से ठीक दो दिन पहले, मुरलीधर तीन महीने बाद घर लौटे थे, जिससे घर में तनाव बढ़ गया था। हेल्पलाइन यदि आप भी किसी तरह की मानसिक परेशानी से जूझ रहे हैं या फिर ऐसी समस्या झेल रहे किसी शख्स को आप जानते हैं तो नीचे दी गई जानकारी मददगार साबित हो सकती है।

क्या एच-वी, एनवी का कोई नया वैरिएंट सामने आया ICMR ने बताया कितना अलर्ट रहने की जरूरत

पीटीआई, नई दिल्ली। देश में स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों के बीच भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) ने स्पष्ट किया है कि एच-वी, एनवी वायरस (स्वाइन फ्लू) का कोई नया स्ट्रेन यानी नया स्वरूप सामने नहीं आया है और लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। आइसीएमआर के सूत्रों ने कहा कि वर्तमान में इन्फ्लूएंजा का जो स्वरूप फैल रहा है वह उत्तरी गोलार्ध के लिए अनुशंसित वैक्सीन में शामिल स्वरूप से अच्छी तरह मेल खाते हैं। सूत्रों ने कहा कि एच-वी, एनवी सहित मौसमी इन्फ्लूएंजा आमतौर पर तीन से पांच दिनों में अपने आप ठीक होने वाला संक्रमण है। इसके सामान्य लक्षणों में बुखार, खांसी, सिरदर्द और बदन दर्द शामिल हैं तथा उचित देखभाल और आराम से ज्यादातर



लोग ठीक हो जाते हैं। हालांकि, छोटे बच्चों, बुजुर्गों और पहले से किसी बीमारी से पीड़ित लोगों में जटिलताएं होने का जोखिम अधिक हो सकता है। लक्षण लंबे समय तक बने रहने, बिगड़ने या गंभीर होने की सूरत में डॉक्टर से समय पर सलाह लेने की अपील की गई है। आइसीएमआर के सूत्रों ने बताया कि देश में वर्तमान में फैल रहे इन्फ्लूएंजा ए पीडीएम09 वायरस का संबंध

ए/मिसौरी/11/2025 पीडीएम09 जैसे वायरस के स्वरूप से है। राष्ट्रीय राजधानी में इस वर्ष 2,300 से अधिक इन्फ्लूएंजा-एममले सामने आए हैं। दिल्ली सरकार ने लोगों से भीड़-भाड़ वाले स्थानों से बचने और समय पर चिकित्सा सलाह लेने की अपील करते हुए एक हेल्थ एडवाइजरी जारी की है।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को देश में की स्थिति और स्वास्थ्य

सुविधाओं की तैयारियों की समीक्षा की थी। उन्होंने निगरानी मजबूत रखने, मामलों में असामान्य वृद्धि की समय पर पहचान करने तथा अस्पतालों में बेड, आक्सीजन, वेंटिलेटर, दवाओं और जांच सुविधाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया था।

यह बरतें सावधानियां
ज्यादा भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें। जरूरत पड़ने पर सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनें। जो लोग बीमार हैं या जिन्हें सर्दी-जुकाम और बुखार है, उनसे उचित दूरी बनाकर रखें। अपने गंदे हाथों से बार-बार अपनी आंख, नाक या मुंह को न छूएं।

कैब बुक करते ही आती है स्मार्ट कार, मशीन से कट जाते हैं पैसे, एआई ने कैसे बदली रोजमर्रा की जिंदगी



बीजिंग, एजेंसी। चीन में लोकप्रिय पर्यटन स्थल की सड़कों पर टहलते हुए या दफ्तर से घर लौटते वक्त अथवा शॉपिंग करते समय इस्सान का किसी एआई ड्रिवाइस से टकराए बिना चलना नामुमकिन हो चुका है। इनमें से कई चीजें वाकई काम की हैं। बूढ़ी होती चीनी आबादी के लिए श्रमिकों की कमी रोबोट पाट रहे हैं, बाजारों में ह्यूमनॉइड का चलन बढ़ चुका है। सड़क पर एक

ड्रिवाइस रोड पार करने वाले पैदल यात्रियों को टैक कर पुलिस की मदद कर रही है। सड़क पर गलती की तो ड्रिवाइस आपको पकड़ती है। पर्यटन स्थलों में वैंडिंग मशीन चेहरा पहचान कर वीचेर जैसे डिजिटल वॉलेट से पैसे काटती है।

चीन की रणनीति काफी अलग: चीनी कंपनियां बीजिंग के इस विजन को हकीकत में बदलने की होड़ में जुट गई हैं। इसी का नतीजा है बढ़ते ह्यूमनॉइड्स, स्मार्ट कारें और कई तरह के रोबोट्स। यह सोच अमेरिकी सोच से इसलिए अलग है क्योंकि अमेरिका खास जगहों पर ही इस तरह के रोबोट्स का प्रयोग करता है।

ह्यूमनॉइड रोबोट ही संभाल रहे ग्रांसी स्टोर: ह्यूमनॉइड रोबोट खुद ही ग्रांसी स्टोर को खुद रोबोट संभालता है। यहां तक कि आपके कूड़े को भी पहले एआई स्कैन करता है और बताता है कि वह सूखा कचरा है या गीला। उसके बाद आप सही डिब्बा चुनकर कचरा डालते हैं। सबसे बड़ी बात है कि सरकार खुद अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए एआई को सीधे फैक्टूरियों, अस्पतालों, स्कूलों और दुकानों में लगाने को प्रेरित कर रही है।

थाईलैंड के तीन प्रांतों में हिंसा, प्रधानमंत्री अनुतिन ने बुलाई आपात बैठक; क्या है पूरा मामला

बैंकाक, एजेंसी। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविракुल ने रविवार को वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के साथ आपात बैठक की। देश के उत्तर में पहले से ही बाढ़ का संकट बना हुआ है। इसी बीच, दक्षिण के तीन प्रांतों में रातभर एक साथ हिंसा हुई। इन इलाकों में कुछ मुस्लिम विद्रोही संगठन सरकार के खिलाफ लड़ रहे हैं और अपने इलाके के लिए अलग शासन की मांग कर रहे हैं। अनुतिन के उत्तर की ओर रवाना होने से कुछ समय पहले यह बैठक हुई। उन्हें बुरी तरह बाढ़ प्रभावित नान प्रांत का जायजा लेना था। बैठक शनिवार रात दक्षिण के सबसे आखिरी तीन प्रांतों में हुई 51 घटनाओं के बाद बुलाई गई। इनमें नाराथिवट, पट्टनी और याला शामिल हैं। हमलावरों का सेना या पुलिस से कोई सामना नहीं हुआ। अब तक सिर्फ तीन नागरिकों के घायल होने की जानकारी है। रविवार को बताया गया कि तीनों की हालत में सुधार हो रहा है। हिंसा में मुख्य रूप से छोटे बमों का इस्तेमाल हुआ। आगजनी की गई। संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचाया गया। सबसे बड़ा निशाना पट्टनी का 7-लेवन स्टोर था। सोशल मीडिया पर चल रहे एक वीडियो में हथियारबंद लोग स्टोर के बाहर घूमते दिखे। ग्राहक और कर्मचारी वहां से भागते नजर आए। इसके बाद स्टोर में आग लगा दी गई। नाराथिवट में एक बम से रेल की



पटरियां क्षतिग्रस्त हो गईं। इसके कारण स्थानीय और लंबी दूरी की रेल सेवाएं रोकनी पड़ीं। सुरक्षा की स्थिति साफ नहीं होने के कारण यह पता नहीं चल पाया कि सेवाएं कब फिर शुरू होंगी। ऐसी घटनाओं में अक्सर तुरंत किसी संगठन पर सार्वजनिक रूप से आरोप नहीं लगाया जाता। इस बार भी किसी संगठन ने तुरंत हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली।

हमलों के पीछे बीआरएन को क्यों माना जा रहा है: हालांकि, आमतौर पर माना जाता है कि ऐसे हमले बारिसान रिबोलुसी नेशनल मेलायु पटानी यानी बीआरएन करता है। यह दक्षिण का प्रमुख विद्रोही

संगठन है। उसके पास ऐसी कार्रवाई करने के लिए संगठन और समर्थन दोनों हैं। यही वह संगठन है, जिसके साथ थाई सरकार समय-समय पर शांति वार्ता करती रही है। लेकिन इसके तीन सबसे दक्षिणी प्रांतों में मुस्लिम आबादी बहुमत में है। बीआरएन ने कहा है कि वह इन प्रांतों के लिए खुद शासन की व्यवस्था चाहता है। मुस्लिम लोग लंबे समय से शिकायत करते रहे हैं कि थाईलैंड में उनके साथ दूसरे दर्जे के नागरिकों जैसा व्यवहार होता है। अलगाववादी आंदोलन भी कई दशकों से समय-समय पर सक्रिय रहे हैं। 22 साल में 7,837 लोगों की मौत 2004 में विद्रोही हिंसा अचानक काफी बढ़ गई थी। इसके जवाब में सरकार ने सख्त कार्रवाई की। इससे लोगों में अस्तोष और बढ़ गया। पट्टनी में प्रिंस ऑफ सोंगकला युनिवर्सिटी के परिसर से जुड़े थिंक टैंक डीप साउथ वॉच के मुताबिक, पिछले 22 साल में इस हिंसा में 7,837 लोगों की मौत हुई है। इस हिंसा में पिछली बड़ी घटना जुलाई में हुई थी। उस समय करीब 10 हमलावरों ने नाराथिवट में एक सुरक्षा चौकी पर सैनिकों पर गोलीयां चलाईं। उन्होंने सैनिकों पर पाइप बम भी फेंके। इस हमले में अर्धसैनिक बल के पांच सैनिक मारे गए। छह नागरिक घायल हुए। इनमें 10 साल का एक लड़का भी शामिल था।

अमेरिका के जंगल में लगी भीषण आग, हजारों एकड़ इलाका खाक; 42 हजार लोगों को इलाका खाली करने के निर्देश

वॉशिंगटन, एजेंसी। नेवाडा-कैलिफोर्निया बॉर्डर के पास उत्तर-पश्चिमी नेवाडा के शहर रेनो की ओर जंगल की आग तेजी से फैल रही है। अधिकारियों के मुताबिक आग की वजह से कम से कम छह लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि करीब 42,000 लोगों को इलाका छोड़ने का आदेश दिया गया है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह आग शनिवार को शुरू हुई थी। अग्निशमन अधिकारियों ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आग अब तक 13,000 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में फैल चुकी है। आग अभी तक पूरी तरह नियंत्रण से बाहर है।

आग से छह लोग घायल: अधिकारियों ने कहा कि घायलों में तीन आम नागरिक और तीन आपातकालीन सेवा कर्मी शामिल हैं। इसके अलावा, लगभग 45,000 लोग ऐसे क्षेत्र में हैं जहां उन्हें किसी भी समय इलाके को खाली करने की चेतावनी दी जा सकती है। अधिकारियों ने यह भी पुष्टि की कि आग में कई इमारतें और ढांचे नष्ट हो चुके हैं। रविवार को वाशो काउंटी में करीब 10,000 बिजली उपभोक्ता बिना बिजली के थे। रेनो, वाशो काउंटी का मुख्य शहर और सबसे अधिक आबादी वाला इलाका है।

तेज हवाओं ने बढ़ाई परेशानी: अधिकारियों के अनुसार, आग का व्यवहार बेहद खतरनाक और असामान्य देखा गया है। तेज हवाओं के कारण आग सूखी और आसानी से जलने वाली वनस्पतियों में बहुत तेजी से फैल रही है। नेवादा के गवर्नर जो लोम्बार्ड ने शनिवार रात वाशो काउंटी में आपातकाल की घोषणा कर दी। लोम्बार्ड ने एक बयान में कहा, यह स्थिति लगातार बदल रही है और बहुत तेजी से विकसित हो रही है।

ईरान के खिलाफ अमेरिका का इकोनॉमिक डी-डे: तेहरान बोला- नहीं जाने देंगे तेल की एक भी बूंद

तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने रविवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन ईरान के खिलाफ अपने अभियान के 'आखिरी चरण' में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने ईरान की आर्थिक जीवन-रेखाओं को काटने के मकसद से 'इकोनॉमिक डी-डे' शुरू करने की घोषणा की। बेसेंट के मुताबिक, यह किसी दुश्मन देश के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय हमला होगा। एक्स पर एक पोस्ट में बेसेंट ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को खत्म कर दिया है, उसकी लगभग 100 प्रतिशत सैन्य फैक्ट्रियों को नष्ट कर दिया है और उसके परमाणु कार्यक्रम को खत्म कर दिया है। अब हम आखिरी चरण में प्रवेश कर रहे हैं। सुबह एक आर्थिक डी-डे की शुरुआत होगी जब किसी दुश्मन के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय हमला होगा।



'सुरक्षा गारंटी' को लेकर ईरान पर गंभीर आरोप: बेसेंट ने ईरान पर सुरक्षा गारंटी का इस्तेमाल 'वसूली' के तौर पर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तेहरान इस धारणा पर टिका हुआ था कि ईरानी जवाबी कार्रवाई तय है, जबकि अमेरिका की सख्ती पर बातचीत की जा सकती है। इस्तामिक रिपब्लिक ने वसूली को सुरक्षा गारंटी का रूप देकर अपना अस्तित्व बनाए रखा है। इसे इस सोच से ताकत मिली है कि ईरानी जवाबी कार्रवाई तो तय है और अमेरिकी सख्ती पर बातचीत की जा सकती है। राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में वह दौर खत्म हो गया

कभी उनका इस्तेमाल नहीं करेंगे। हमारा मकसद उस अत्याचारी शासन को बनाए रखने वाली हर आर्थिक

जीवन-रेखा को काटना है, ताकि तेहरान अकेला पड़ जाए।

आर्थिक युद्ध जारी रहा तो तेल निर्यात बंद

इस बीच, ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहसेन रेजाई ने सोमवार को चेतावनी दी कि अगर ईरान के खिलाफ अमेरिका का 'आर्थिक युद्ध' जारी रहता है, तो तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य और फारस की खाड़ी में अन्य जगहों से तेल का पूरा निर्यात रोक सकता है। रेजाई ने एक्स पर एक पोस्ट में यह भी चेतावनी दी कि तेहरान के खिलाफ अमेरिकी आर्थिक अभियान का समर्थन करने या उसमें भाग लेने वाले किसी भी देश के कदम को ईरान 'युद्ध की कार्रवाई' मानेगा। अगर आर्थिक युद्ध जारी रहता है, तो तेल की एक भी बूंद एक्सपोर्ट नहीं की जाएगी न तो होर्मुज जलडमरूमध्य से और न ही फारस की खाड़ी में कहीं से भी। ईरान किसी भी देश की अमेरिका के आर्थिक युद्ध में भागीदारी या समर्थन को जो ईरानी लोगों के खिलाफ है युद्ध की कार्रवाई मानेगा। यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब तेहरान और वॉशिंगटन के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है और अमेरिका ईरान पर और सख्त आर्थिक प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है।

घालीबाफ ने अमेरिकी प्रतिबंधों का उड़ाया मजाक

इससे पहले रविवार को ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर घालीबाफ ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से नए आर्थिक प्रतिबंधों की धमकी के बाद अमेरिका पर तंज कसा। उन्होंने व्या्यात्मक अंदाज में कहा कि कठोर आर्थिक प्रतिबंधों का असर अंततः उल्टा पड़ सकता है। एक्स पर एक पोस्ट में घालीबाफ ने अल्पकालिक सरकारों उपायों के जरिए गहरे वित्तीय संकट से निपटने की कोशिशों की सीमाओं पर टिप्पणी की और आर्थिक दबाव के असर पर व्यंग्य किया। उन्होंने कहा,मंस की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए फोजन मीट का आयात ठीक है। यह काम कर सकता है। बॉन्ड के लिए क्या योजना है, क्या फोजन यील्ड का आयात करेंगे आवास के लिए फोजन घर खरीदार वेतन के लिए फोजन पेचेक एक अर्थव्यवस्था देती है। एकमात्र चीज जो अभी भी चल रही है ईरान का बूमिंग।

सीधी में बारिश और बाणसागर के गेट खुलने की संभावना पर प्रशासन अलर्ट, कलेक्टर ने दिए व्यापक निर्देश

बाढ़ और वर्षाजनित परिस्थितियों से निपटने सभी विभाग समन्वय के साथ करें कार्य

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में सोमवार को समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी दो दिनों में बारिश की संभावना और बाणसागर बांध के गेट खोले जाने की संभावित स्थिति को देखते हुए जिले के प्रशासनिक अमले को पूरी तरह सजग और तत्पर रहने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि वर्षाजनित परिस्थितियों से निपटने के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से काम करें और मैदानी क्षेत्रों में लगातार निगरानी बनाए रखें कलेक्टर ने अधिकारियों को शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने, वर्षाजनित बीमारियों की रोकथाम और पशुओं में होने वाली बीमारियों के निरीक्षण और जलभराव वाले क्षेत्रों में



आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित करने को कहा गया उन्होंने निर्देश दिए कि पुल, पुलिया और रपटों के डूबने की स्थिति में तत्काल आवागमन रोक दिया जाए और प्रभावित मार्गों की जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जाए बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों की स्थिति पर भी लगातार निगरानी रखने और आवश्यक कार्रवाई करने

को कहा गया रहत प्रकरणों में पात्र हितग्राहियों को समय पर सहायता राशि का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

सीएम हेल्पलाइन और राजस्व प्रकरणों के निराकरण पर जोर: मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गाटी अधिनियम के प्रकरणों की समीक्षा

करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में शिकायतों और आवेदनों का निराकरण करने को कहा। उन्होंने राजस्व संबंधी प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए पांच वर्ष से अधिक पुराने लंबित मामलों को प्राथमिकता के साथ निपटने को कहा गया बैठक में फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति की भी समीक्षा हुई कलेक्टर ने शेष किसानों की रजिस्ट्री का कार्य तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए।

त्योहारों में सुरक्षा और खाद्य



गुणवत्ता पर निगरानी: आगामी त्योहारों को देखते हुए कलेक्टर ने थाना और अनुविभाग स्तर पर शांति समिति की बैठकें आयोजित करने को कहा भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात और भीड़ प्रबंधन के साथ पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए उन्होंने मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थों की दुकानों की जांच करने तथा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता बनाए रखने के लिए कार्रवाई करने को कहा साथ ही जिले में खाद की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था की

समीक्षा करते हुए किसानों को निर्धारित मात्रा में समय पर खाद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

डीएमएफ के लंबित कार्यों पर जताई नाराजगी: बैठक में वर्ष 2019-20 से 2024-25 तक जिला खनिज प्रतिष्ठान (डीएमएफ) से स्वीकृत 279 कार्यों की समीक्षा की गई इनमें 129 कार्य प्रातिरित पाए गए कलेक्टर ने विभागवार और प्रत्येक कार्य की अलग-अलग समीक्षा करते हुए लंबे समय से लंबित कार्यों पर नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित विभाग प्रमुखों, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, सिविल सर्जन जिला अस्पताल, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को लंबित कार्यों की नियमित समीक्षा कर उन्हें गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए।

विनय पाठक बने भाजपा किसान मोर्चा के जिला नीति एवं शोध प्रभारी



मीडिया ऑडीटर, जब (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा में सिरमौर विधानसभा क्षेत्र के युवा नेता विनय पाठकको जिला नीति एवं शोध प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है उनकी नियुक्ति भाजपा मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल और किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह

चावड़ा के निर्देशानुसार की गई। नियुक्ति में रीवा संभाग प्रभारी विजय दुबे, जिला प्रभारी रविन्द्र सिंह और जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता की सहमति रही विनय पाठक की नियुक्ति की जानकारी सामने आने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं नई जिम्मेदारी मिलने पर विनय पाठक ने कहा कि पार्टी ने जिस विश्वास के साथ उन्हें दायित्व सौंपा है उसका वे पूरी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं को जमीनी स्तर पर समझकर उन्हें सरकार तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा साथ ही किसानों के हितों से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाने और हर कदम पर किसानों के साथ खड़े रहने की बात कही विनय पाठक ने नियुक्ति के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा, रीवा संभाग प्रभारी विजय दुबे, जिला प्रभारी रविन्द्र सिंह और जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता का आभार व्यक्त किया उन्होंने सिरमौर विधायक दिव्यराज सिंह के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित किया। भाजपा किसान मोर्चा में जिला नीति एवं शोध प्रभारी की जिम्मेदारी मिलने के बाद विनय पाठक ने संगठन के माध्यम से किसानों से जुड़े विषयों को मजबूती से उठाने और उनके हित में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प व्यक्त किया।

रीवा में गणेशोत्सव की तैयारियां तेज, पदमधर पार्क में होंगे गरबा महोत्सव और राष्ट्रीय युवा कवि सम्मेलन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। गणेशोत्सव को लेकर रीवा में विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक संस्थाओं ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी क्रम में हिन्दू धर्म परिषद ने लगातार दूसरे वर्ष पदमधर पार्क गणेश गरबा महोत्सव-2026आयोजित करने की घोषणा की है तीन दिवसीय यह आयोजन 22 सितम्बर सेशुरू होगा। महोत्सव में रिदम म्यूजिकल ग्रुप की ओर से भजन संध्या आयोजित की जाएगी वहीं अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा द्वारा श्री गणेश दरबार में पूजा-अर्चना कराई जाएगी नगर के विभिन्न डोस ग्रुपों के साथ महाराष्ट्र मंडल के कलाकार भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे कलाकारों ने कार्यक्रम के लिए अभ्यास शुरू कर दिया है आयोजन में इस वर्ष भारतीय शैली के परिधानों पर आधारित मॉडलिंग शो कराने की भी योजना है। आयोजकों का कहना है कि इसके माध्यम से विंध्य क्षेत्र



के युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच मिलेगा आयोजन को भव्य और व्यवस्थित बनाने के लिए समिति का गठन भी किया जाएगा। हिन्दू धर्म परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी के मार्गदर्शन में अध्यक्ष ऋषिशंकर मिश्रा, संयोजक सुमित मांजवानी, सहसंयोजक उमेश कुशवाहा, महिला अध्यक्ष ममता नरेंद्र सिंह सहित पदाधिकारियों और सदस्यों ने आयोजन की रूपरेखा तैयार की है।

24 सितम्बर को राष्ट्रीय युवा कवि सम्मेलन:

गणेशोत्सव के अवसर पर

साहित्यिक संस्था विंध्य काव्य-साहित्य परिषद 'कवयि परिवार' की ओर से 24 सितम्बर को पदमधर पार्क में राष्ट्रीय युवा कवि सम्मेलनआयोजित किया जाएगा सम्मेलन में विंध्य क्षेत्र के युवा कवि-कवयित्रियों को अपनी रचनाएं प्रस्तुत करने का खुला मंच मिलेगा कलम परिवार के अध्यक्ष हास्य कवि रामकृष्ण द्विवेदी ने बताया कि राष्ट्रीय मंचों पर विंध्य का प्रतिनिधित्व करने वाले युवाओं के साथ स्थानीय प्रतिभागों को भी बराबरी का अवसर दिया जाएगा कार्यक्रम में भाग लेने वाले रचनाकारों को 'युवा प्रेरणा सम्मान-2026' से सम्मानित किया जाएगा।

सावन के आखिरी सोमवार पर शिवालयों में उमड़ी आस्था, महामृत्युंजय मंदिर में लंबी कतारें

मीडिया ऑडीटर, रीवा, (निप्र)। सावन के चौथे और आखिरी सोमवार को रीवा में शिवभक्तों का उत्साह देखते ही बना। सुबह से ही शहर के प्रमुख शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी भक्त कतारों में खड़े होकर भगवान शिव के दर्शन और पूजा-अर्चना करते नजर आए मंदिर परिसरों में लगातार 'बम-बम भोले' के जयकारे गुंजते रहे ऐतिहासिक किला स्थित महामृत्युंजय मंदिर में भी सुबह से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे भक्तों ने भगवान महामृत्युंजय के दर्शन कर पूजा-अर्चना की मुख्य पुजारी वनस्पति तिवारी के अनुसार, सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। भक्तों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं सावन के आखिरी सोमवार के अवसर पर शहर में कई स्थानों पर भंडारे आयोजित किए गए किला क्षेत्र में जयशंकर ग्रुप की ओर से विशाल भंडारा कराया गया वहीं कोठी कंपाउंड स्थित शिव मंदिर में शिव बारात आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था की मालिन्यन टोला स्थित शिव मंदिर में भी भंडारा आयोजित किया गया।

श्रद्धालुओं ने सावन के आखिरी सोमवार को भगवान शिव के दर्शन को विशेष बताया। सुबह से मंदिरों में लगी भीड़ के बावजूद भक्त उत्साह के साथ अपनी बारी का इंतजार करते रहे।

सुरक्षा के लिए पुलिस तैनात: श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी सतर्क रहा प्रमुख शिव मंदिरों और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बल तैनात किया गया भीड़ को व्यवस्थित रखने और श्रद्धालुओं की आवाजाही सुचारु बनाए रखने के लिए सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया।

जल भराव से घर गिरने व नुकसानी का सर्वे कराकर आर्थिक सहायता दिलाने की जिला कलेक्टर से की गई माँग



मीडिया ऑडीटर डभौरा (निप्र)। समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव जगदीश सिंह यादव ने जिला कलेक्टर रीवा का ध्यान आकृष्ट कराते हुए मांग की है कि जिले अति वर्षा होने से शहर व ग्रामीणों में जल भराव होने से भारी संख्या में कच्चे, झोपडियों में रहने वालों

का भारी नुकसान हुआ है जिनके घर गिर गए हैं उनके रहने की जगह और खाने की समस्या पैदा हो गयी है जिसे देखते हुए पूरे जिले में विशेष टीम को लगाकर सर्वे कराया जाए और बारिश से हुए नुकसान का मुआवजा राशि प्रभावितों को दिया जाय। उन्होंने कहा की है कि सिरमौर विधानसभा क्षेत्र के दर्जनों से ज्यादा गांव प्रभावित हुए हैं इसीतरह से त्यो्थर विधानसभा के दो दर्जन से ज्यादा गांव प्रभावित हुए हैं जिनका सर्वे कराया जाय। साथ ही गांवों के नाली में मच्छर मारने की दवा विलचिंग पावडर हँड पम्पों कुओं में डलवाने की भी मांग की है।

उत्कृष्ट कार्य के लिए सीधी में पांच अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र से किया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान सौंप गए दायित्वों का उत्कृष्ट, निष्ठापूर्वक और सगहनोय तरीके से निर्वहन करने वाले पांच अधिकारियों को सम्मानित किया गया कलेक्टर विकास मिश्रा ने अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके कार्यों की सगहना की सम्मानित अधिकारियों में जिला जनसंपर्क अधिकारी मुनेश मिश्रा, जिला ई-गवर्नेस प्रबंधक मनोष सिंह, जिला प्रबंधक लोक सेवा जितेंद्र द्विवेदी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी दशरथ प्रजापति और नगर पालिका के गौरव सिंह शामिल हैं। प्रशस्ति पत्र में अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान सौंप गए दायित्वों को पूरी निष्ठा, सक्रियता और उत्कृष्ट कार्यकुशलता के साथ पूरा करने के लिए प्रशंसा की गई साथ ही शासकीय कार्यों और नागरिक



सेवाओं के प्रभावी संचालन में उनके योगदान को भी विशेष रूप से उल्लेखित किया गया।

नागरिक सेवाओं के संचालन में योगदान: प्रशासन की ओर से कहा गया कि विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय से शासकीय योजनाओं और नागरिक सेवाओं का प्रभावी संचालन संभव होता है सम्मानित अधिकारियों ने अपने-अपने विभागीय दायित्वों के साथ

स्वतंत्रता दिवस समारोह से जुड़े कार्यों को भी जिम्मेदारीपूर्वक पूरा किया यह सम्मान अधिकारियों के उत्कृष्ट कार्य को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ अन्य अधिकारी-कर्मचारियों को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा प्रशासन का मानना है कि सार्वजनिक सेवाओं में जिम्मेदारी, सक्रियता और कार्यकुशलता का सीधा लाभ आम नागरिकों को मिलता है।

कलेक्टर ने दी बधाई: कलेक्टर विकास मिश्रा ने सभी

सम्मानित अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि शासकीय दायित्वों का पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करने से प्रशासन अधिक प्रभावी और जनोन्मुख बनता है उन्होंने अधिकारियों से भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया कलेक्टर ने कहा कि अधिकारियों और कर्मचारियों की मेहनत तथा जिम्मेदारी से प्रशासनिक व्यवस्था मजबूत होती है उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को समय-समय पर प्रोत्साहित किए जाने से कार्य संस्कृति में सकारात्मक बदलाव आता है और अन्य कर्मचारियों को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है प्रशस्ति पत्र मिलने पर सम्मानित अधिकारियों ने भी प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया और भविष्य में अपने दायित्वों का पूरी तत्परता से निर्वहन करने की प्रतिबद्धता जताई।

गुणवत्ता और मानकीकरण से आजीविका उत्पादों को मिलेगा व्यापक बाजार आजीविका राखी मेले में स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को भारतीय मानकों की जानकारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला सीधी द्वारा आयोजित तीन दिवसीय आजीविका राखी मेले में स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को उत्पादों की गुणवत्ता, मानकीकरण और बाजार में स्वीकार्यता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई कार्यक्रम का उद्देश्य समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार के साथ उन्हें प्रतिस्पर्धी बाजार के लिए तैयार करना रहा कार्यक्रम में भारतीय मानक ब्यूरो के मानक संवर्धन अधिकारी श्रीधर पाण्डेय और पारूल द्विवेदी ने स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को भारतीय बाजार के लिए निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप उत्पाद तैयार



करने की प्रक्रिया समझाई अधिकारियों ने उत्पाद निर्माण के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों और मानकीकरण के महत्व की व्यावहारिक जानकारी भी दी।

मानकों से बढ़ेगा उपभोक्ता विश्वास: महिलाओं को बताया गया कि उत्पाद निर्माण की प्रत्येक प्रक्रिया में निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पालन करने से उत्पाद की गुणवत्ता, सुरक्षा

और विश्वसनीयता बेहतर होती है मानकों के अनुरूप तैयार किए गए उत्पादों से उपभोक्ताओं का विश्वास मजबूत होता है इससे स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों को स्थानीय बाजार से

आगे बढ़कर व्यापक और प्रतिस्पर्धी बाजार में पहचान बनाने का अवसर मिलेगा कार्यक्रम में उपभोक्ताओं को भी जागरूक किया गया। उन्हें उत्पाद खरीदते समय गुणवत्ता और मानकों से संबंधित आवश्यक जानकारी की जांच करने की सलाह दी गई साथ ही नकली और स्वस्थ के लिए हानिकारक उत्पादों से सावधान रहने के लिए भी जागरूक किया गया।

कलेक्टर ने स्टॉलों का किया अवलोकन: कलेक्टर विकास मिश्रा ने आजीविका राखी मेले का भ्रमण किया। उन्होंने स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर उनके उत्पादों की जानकारी ली कलेक्टर ने उत्पादों के

प्रदर्शन, बिक्री और महिलाओं द्वारा संचालित गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की उन्होंने महिलाओं के आजीविका और उद्यमिता से जुड़े प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं स्थानीय स्तर पर उत्पादन और व्यवसाय से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं आजीविका राखी मेले में गुणवत्ता और मानकीकरण से जुड़ी यह पहल महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के साथ स्व-सहायता समूहों के उत्पादों को बाजार से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। मानकों के अनुकूप उत्पाद तैयार होने से उनकी विश्वसनीयता बढ़ेगी और भविष्य में बड़े बाजारों तक पहुंच बनाने की संभावनाएं भी मजबूत होंगी।

सतना में छात्राओं ने सैनिकों के लिए बनाई तिरंगे रंगों की राखियां

सतना। स्वाबंधन से पहले सतना के एक निजी स्कूल की छात्राओं ने सैनिकों के लिए अपने हाथों से तिरिे रंगों में राखियां तैयार कीं सोमवार को छात्राएं राखियां लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचीं और कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस से इन्हें सीमा पर तैनात सैनिकों तक पहुंचाने का आग्रह किया छात्राओं ने कलेक्टर को भी राखी बांधी और देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने राखियां सैनिकों तक पहुंचाने का भरोसा दिया। छात्राओं ने कहा कि राखियों के जरिए वे जवानों के प्रति सम्मान, प्यार और आभार व्यक्त करना चाहती हैं शिक्षिका मनीषा त्रिपाठी ने कहा कि ऐसी गतिविधियों से बच्चों में देशभक्ति और सैनिकों के प्रति सम्मान की भावना विकसित होती है।

चीनी के बाद प्याज महंगा

केंद्र सरकार के लिए यह चिंता का विषय बनना चाहिए कि चीनी के बढ़ते दामों के बीच प्याज के दामों में भी अप्रत्याशित तरीके से वृद्धि हो रही है। पिछले कई वर्षों में बरसात के मौसम में प्याज की आपूर्ति में कमी और उसके चलते उसके मूल्यों में वृद्धि देखने को मिली है, लेकिन यह ठीक नहीं कि रह-रहकर ऐसा हो। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को आवश्यक खाद्य सामग्री की आपूर्ति में कमी का आकलन समय रहते करना चाहिए। इसके अतिरिक्त, उसे ऐसे उपाय भी करने

चाहिए, जिनसे बार-बार एक जैसे कारणों से प्याज अथवा अन्य सब्जियों की किल्लत न पैदा होने पाए। इसमें आसानी तब होगी, जब केंद्र सरकार राज्यों के संपर्क में रहेगी और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की सतत निगरानी करेगी। सब्जियों अथवा अनाज के उत्पादन में कमी होने जा रही है, यह पहले से ही स्पष्ट हो जाता है। उचित यही है कि जैसे ही किसी फसल के उत्पादन में कमी के आसार नजर आएँ, केंद्र सरकार को आवश्यक उपाय कर लेने चाहिए। सरकारों

को इसका आभास होना चाहिए कि जब एक बार किसी आवश्यक वस्तु की आपूर्ति में कमी हो जाती है और उसके मूल्य बढ़ने लगते हैं तो फिर उन पर लगाम लगाना आसान नहीं होता, क्योंकि मुनाफाखोर एवं जमाखोर सक्रिय हो जाते हैं। देkhना है कि सरकार प्याज के बफर स्टॉक को सीधे थोक बाजार में उपलब्ध कराने के जो उपाय करने जा रही

है, वे कितने प्रभावी सिद्ध हो पाते हैं? सरकारों को इससे अनभिज्ञ नहीं होना चाहिए कि प्याज जैसी आवश्यक वस्तु के मूल्यों में वृद्धि प्रतिकूल राजनीतिक माहौल बनाने का कारण बनती है और कभी-कभी तो वह चुनावों को भी प्रभावित करती है। समस्या केवल यह नहीं है कि पहले चीनी के दाम बढ़े और अब प्याज के मूल्य बढ़ गए। समस्या यह है कि आने

वाले दिनों में कुछ सब्जियों और खाद्य तेल के मूल्य भी बढ़ने की आशंका है। यदि ऐसा होता है तो महंगाई बढ़ेगी और उससे आम आदमी प्रभावित होगा। यह सही समय है कि सरकार उस तंत्र को दुरुस्त करे, जिस पर आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की निगरानी रखने का दायित्व होता है। यह ठीक है कि कभी-कभार कुछ आवश्यक वस्तुओं की कमी इसलिए हो जाती है, क्योंकि उसकी आपूर्ति आयात पर निर्भर करती है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में उस वस्तु के मूल्य बढ़

जाने से उसे महंगे दामों पर आयात करना पड़ता है। इस सबके बावजूद यह तो देखा ही जाना चाहिए कि आखिर कृषि प्रधान देश होते हुए भी भारत को दालों और खाद्य तेलों का आयात क्यों करना पड़ता है? यह ठीक नहीं कि दलहन और तिलहन का उत्पादन बढ़ाने के जो प्रयास किए गए, वे रंग लाते नहीं दिख रहे हैं। आज जब आत्मनिर्भरता की बातें हो रही हैं तो दलहन-तिलहन के उत्पादन को बढ़ाने पर ध्यान दिया जाना अत्यंत आवश्यक है।

इस्लामीकरण की राह पर ब्रिटेन

शिवकांत शर्मा

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बीते दिनों ब्रिटेन को ‘इस्लामी गणतंत्र’ की संज्ञा दे डाली। दो साल पहले अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने चुनाव प्रचार के दौरान मजाक में कहा था कि ब्रिटेन पहला परमाणु शक्ति संपन्न इस्लामी गणतंत्र बनने वाला है। उस पर ब्रिटेन की पूर्व गृहमंत्री सुबेला ब्रावरमैन ने कहा था, ‘वेंस साहब की बातें कोरा मजाक नहीं थीं! कल्पना करें कि कल को ब्रिटेन की बागडोर इस्लामी कट्टरपंथ के हाथों में चली जाए, न्याय व्यवस्था की जगह शरीया लागू हो जाए और हमारे परमाणु हथियार किसी ऐसे शासन के हाथ लग जाएं जो ईरान जैसा हो?’ नेतन्याहू के ब्रिटेन को इस्लामी बताने का कारण तो स्पष्ट है। ब्रिटिश सरकार ने इजरायल के लिए हथियारों में कटौती की है। व्यापार समझौता वार्ताएं स्थगित कर दी हैं। फलस्तीन को मान्यता दे दी है और नए प्रधानमंत्री एंडी बर्नहेम ने सत्ता संभालते ही गाजा में संहार को रोकने का पर्याप्त दबाव न डालने के लिए माफ़ी मांगी है। इसलिए नेतन्याहू को लग रहा है कि ब्रिटिश विदेश नीति पर इस्लामिक दबाव हावी है, जिसे लेकर वे नाराज हैं। ब्रिटेन के बढ़ते इस्लामीकरण की चिंताओं को लेकर चर्चा भी कम नहीं है। ब्रिटेन की मुस्लिम आबादी लगभग 41 लाख है, जो कुल आबादी का केवल छह प्रतिशत ही है, लेकिन इसकी वृद्धि दर बहुत तेज है। हर साल बढ़ने वाली आबादी का एक तिहाई से अधिक मुस्लिम होते हैं। इसीलिए पिछले 25 वर्षों के दौरान उनकी आबादी बढ़कर ढाई गुना हो गई है और 2050 तक उसके एक करोड़ पार कर जाने और जनसंख्या का 17 प्रतिशत हो जाने का अनुमान है। इसी तरह फ्रांस की मुस्लिम आबादी 18 प्रतिशत और जर्मनी की 20 प्रतिशत हो जाने का अनुमान है। स्वीडन में तो 2050 तक मुस्लिम आबादी 30 प्रतिशत पहुंचने का अनुमान है। मुस्लिम आबादी में धार्मिक कट्टरता भी बढ़ रही है, जिसके कारण वह स्थानीय समाज के साथ घुलमिल नहीं पा रही है। यही कारण है कि ब्रिटेन का हर छह में से एक व्यक्ति मुस्लिम आबादी बढ़ने से चिंतित है और यह चिंता आप्रवासन विरोध में बदल रही है। ब्रिटेन और यूरोप का मुस्लिम समुदाय भी आम तौर पर शहरों में बसता है। ब्रिटेन के लगभग एक तिहाई मुस्लिम लंदन में रहते हैं। उसके बाद ब्रेडफर्ड, बर्मिंघम, मैनचेस्टर और लेस्टर का नंबर आता है। लंदन समेत उसकी दो जिला परिषदों, टावर हैमलेट और न्यूहैम के निर्वाचित महापौर भी मुस्लिम हैं। बर्मिंघम और आक्सफोर्ड समेत 12 अन्य शहरों के मानद महापौर भी मुस्लिम हैं। मुस्लिम मतदाताओं का प्रतिशत बर्मिंघम समेत सात संसदीय क्षेत्रों में 40 पार कर चुका है। 15 संसदीय क्षेत्र ऐसे हैं, जहां यह 20 से 40 प्रतिशत है। 10 से 20 प्रतिशत वाले संसदीय क्षेत्रों की संख्या तो 80 पार कर चुकी है। ब्रिटेन के मुस्लिम मतदाता भी अपने मुद्दों पर भारत की तरह एकजुट होकर वोट देते हैं। इसलिए कोई पार्टी उनकी मांगों को अनदेखा कर सत्ता में नहीं आ सकती। वैसे तो मुस्लिम मतदाताओं का रुझान शुरू से ही लेबर पार्टी की तरफ रहा है, लेकिन गाजा संहार पर लेबर पार्टी के दुलमुल रवैये से नाराज मुस्लिमों ने पिछले आम चुनाव में लेबर पार्टी के कई उम्मीदवारों को या तो हरा दिया था या उनका जीतना दूधर कर दिया था। पांच दिग्गज नेताओं का तो राजनीतिक जीवन ही समाप्त हो गया था। पार्टी के 575 पार्षदों को हार का मुंह देखना पड़ा था। गाजा नीति पर पीएम बर्नहेम की माफ़ी का बड़ा कारण यही था। फलस्तीन, कश्मीर, इराक और सीरिया जैसे वैश्विक राजनीतिक मुद्दों और इस्लामी शिक्षा, वेशभूषा और शरीया जैसे मजहबी मुद्दों पर मुस्लिम समुदाय में गजब की एकजुटता दिखती है। मुस्लिम समुदाय को यह एकजुटता अब कूटनीति के साथ-साथ ब्रिटिश न्याय व्यवस्था में भी आड़े आने लगी है। इसकी सबसे खौफनाक मिसाल उत्तरी इंग्लैंड के रादरहैम और राचडेल जैसे शहरों में पनपे पाकिस्तानी मूल के दुकर्मों गिरोह रहे, जिनके दुकर्मों पर दशकों तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई। ग्रूमिंग गैंग के नाम से कुख्यात ये गिरोह दर्जनों शहरों में 1400 से अधिक अंग्रेज बच्चियों को फुल्ला कर दशकों तक यौन शोषण करते रहे, लेकिन पुलिस नस्लवाद और इस्लामोफोबिया का ठप्पा लगाने और स्थानीय नेता इस्लामी वोट बैंक नाराज होने के भय से चुपनी साधे रहे। भंडा फूटने पर भी दोषियों को कड़ी सजा दिलवाना तो दूर, सरकार दर्जनों दुकर्म के दोषी और ग्रूमिंग गैंग सरनाश शबीर अहमद को भी न जेल में रख पाई और न ही निर्वासित कर पाई।

कांतिलाल मांडेठ

रक्षाबंधन और जन्माष्टमी का त्योहार आने वाला है। इसके बाद गणपति स्थापना के साथ देशभर में त्योहारों का सिलसिला तेज हो जाएगा। त्योहारों का मतलब है मिठाइयां, पकवान और घर-घर में बनने वाले पारंपरिक व्यंजन। लेकिन इस बार त्योहारों की मिठास पर चीनी की बढ़ती कीमतों की कड़वाहट भारी पड़ती दिखाई दे रही है। पिछले कुछ महीनों में चीनी के दाम जिस तेजी से बढ़े हैं, उससे आम परिवारों का रसोई बजट प्रभावित हुआ है। बाजार में चीनी के औसत भाव करीब 48 रुपए प्रति किलो से बढ़कर 57 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गए हैं, जबकि कुछ जगह अधिकतम खुदरा कीमत 68 से 70 रुपए प्रति किलो तक बताई जा रही है। यानी एक महीने में ही खुदरा बाजार में कीमतों में 20 रुपए से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। चीनी की यह महंगाई ऐसे समय आई है जब त्योहारों का सबसे बड़ा दौर शुरू होने वाला है। रक्षाबंधन पर मिठाइयों की मांग बढ़ती है, जन्माष्टमी पर दूध, माखन और मिठाई से जुड़े उत्पादों की खपत बढ़ती है और इसके बाद गणपति उत्सव के दौरान बाजार में मिठाई, पेय पदार्थ और खाद्य सामग्री की बिक्री तेज हो जाती है। ऐसे में चीनी की मांग स्वाभाविक रूप से बढ़ने वाली है। यही वजह है कि सरकार ने भी समय रहते बाजार पर नजर रखने और जमाखोरी की आशंका को रोकने के लिए कदम उठाया है।

केंद्र सरकार ने उन डीलरों के लिए चीनी की स्टॉक सीमा तय कर दी है जो हर महीने 10 मीट्रिक टन से अधिक चीनी का इस्तेमाल करते हैं। नए नियम के अनुसार ऐसे डीलर अब 15 दिनों से ज्यादा का स्टॉक अपने पास नहीं रख सकेंगे। पहले यह सीमा 30 दिनों की थी। यह व्यवस्था 1 सितंबर से 30 नवंबर 2026 तक लागू रहेगी। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि त्योहारों से पहले बड़े खरीदार भारी मात्रा में चीनी खरीदकर उसका भंडारण न कर लें और कृत्रिम रूप से बाजार में कमी पैदा न हो।

चीनी के दाम बढ़ने के पीछे केवल त्योहारों की मांग ही जिम्मेदार नहीं है। देश के प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों महाराष्ट्र और कर्नाटक में उत्पादन में गिरावट ने भी बाजार को प्रभावित किया है। इसके अलावा पिछले वर्ष बड़ी मात्रा में चीनी बनाने योग्य गन्ने और उसके उत्पादों का इस्तेमाल एथेनॉल उत्पादन में हुआ। अनुमान के मुताबिक करीब 25 लाख टन चीनी बनाने लायक गन्ना और शीरा एथेनॉल के लिए इस्तेमाल किया गया। इससे चीनी

मिलों के पास उपलब्ध स्टॉक पर दबाव बढ़ा।

चीनी के सबसे बड़े उत्पादक महाराष्ट्र में थोक कीमतों में पिछले छह महीनों के दौरान करीब 52 प्रतिशत की वृद्धि बताई जा रही है। थोक बाजार में कीमते लगातार ऊपर जाने का सीधा असर खुदरा



बाजार पर पड़ा है। तीन महीने के दौरान चीनी के दाम करीब 40 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। इस दौरान केवल चीनी ही महंगी नहीं हुई, बल्कि गुड़, चावल और मक्के के आटे की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई है। गुड़ के भाव करीब 24 प्रतिशत, चावल के 16 प्रतिशत और मक्के के आटे के दाम लगभग 11 प्रतिशत तक बढ़े हैं। यानी महंगाई का असर केवल चाय में डाली जाने वाली चीनी तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी खाद्य श्रृंखला पर दिखाई देने लगा है।

इसका एक बड़ा कारण एथेनॉल उत्पादन में कृषि उत्पादों का बढ़ता इस्तेमाल भी माना जा रहा है। एथेनॉल के लिए मक्का, चावल के टूटे दाने, खराब अनाज और गन्ने से जुड़े उत्पादों की मांग बढ़ी है। पिछले एक वर्ष में देश में करीब 720 करोड़ लीटर एथेनॉल उत्पादन हुआ और इसके लिए लगभग 1.33 करोड़ टन अनाज का इस्तेमाल किया गया। जब कृषि उपज का एक बड़ा हिस्सा खाद्य और पशु आहार बाजार के बजाय औद्योगिक उपयोग में जाने लगता है, तो उपलब्धता पर असर पड़ना स्वाभाविक है। खराब अनाज की उपलब्धता घटने से पशु आहार और पोल्ट्री फीड भी महंगे हुए हैं। इसका असर आगे चलकर दूध और अंडों की कीमतों पर भी दिखाई दे सकता है।

हालांकि चीनी उद्योग से जुड़े कुछ विशेषज्ञ मौजूदा तेजी को वास्तविक कमी के बजाय सट्टेबाजी

बचा रहेगा। दूसरी ओर व्यापारियों का कहना है कि सरकार को एथेनॉल नीति और चीनी की घरेलू जरूरत के बीच संतुलन बनाना होगा। यदि बड़ी मात्रा में गन्ने का उपयोग एथेनॉल में होता रहा और चीनी उत्पादन तथा स्टॉक का सही आकलन नहीं हुआ तो भविष्य में कीमतों पर दबाव दोबारा बढ़ सकता है। मिलों के शुरूआती स्टॉक में आई कमी भी मौजूदा परिस्थिति को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। पिछले पेरॉई सीजन से पहले मिलों के पास करीब 47 लाख टन का ओपनिंग स्टॉक था, जबकि इस बार यह घटकर लगभग 32 लाख टन रह गया है। हालांकि 2026-27 में गन्ने का कुल उत्पादन करीब 46.3 करोड़ टन और चीनी उत्पादन लगभग 3.36 करोड़ टन रहने का अनुमान है, लेकिन नए उत्पादन का बाजार में पर्याप्त मात्रा में पहुंचने में अभी समय है। यही अंतर मौजूदा मांग और उपलब्धता के बीच दबाव पैदा कर रहा है।

स्थिति बिगड़ने पर सरकार चीनी आयात की संभावना पर भी विचार कर रही है। करीब नौ साल बाद देश को चीनी आयात करने की जरूरत पड़ने की चर्चा ने बाजार और उद्योग दोनों का ध्यान खींचा है। हालांकि वैश्विक बाजार से पर्याप्त मात्रा में चीनी हासिल करना आसान नहीं माना जा रहा। कच्ची चीनी यानी रॉ शुगर के आयात की संभावनाएं भी तलाशी जा रही हैं। दुनिया में रॉ शुगर के बड़े

निर्यातक देशों की सीमित संख्या को देखते हुए समय पर आयात करना सरकार के लिए चुनौती हो सकता है। दिलचस्प बात यह है कि कुछ वर्ष पहले भारत दुनिया के प्रमुख चीनी निर्यातकों में शामिल था। 2022-23 में चीनी, शीरा और उनसे बने उत्पादों का निर्यात करीब 1.33 करोड़ टन तक पहुंच गया था। इसके बाद निर्यात लगातार घटता गया। 2023-24 में यह करीब 51.35 लाख टन और 2024-25 में करीब 38.43 लाख टन रह गया। अब घरेलू उपलब्धता और कीमतों के दबाव के बीच आयात की चर्चा होना चीनी बाजार में आए बड़े बदलाव को दिखाता है।

सरकार की ओर से स्टॉक सीमा घटाने का फैसला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि त्योहारों के दौरान मांग बढ़ने के साथ जमाखोरी की आशंका भी बढ़ जाती है। यदि व्यापारी पहले से बड़ी मात्रा में चीनी खरीदकर बाजार में आपूर्ति कम कर दें तो कीमतें और तेजी से बढ़ सकती हैं। ऐसे में सरकार का नियंत्रण बाजार में कृत्रिम कमी पैदा करने वालों पर अंकुश लगाने की कोशिश है। आने वाले दिनों में यह भी देखना होगा कि स्टॉक सीमा और निगरानी से खुदरा कीमतों पर कितना असर पड़ता है।

त्योहारों के इस मौसम में सबसे बड़ी चिंता यही है कि मिठाई की बढ़ती मांग के साथ चीनी की कीमतें आम उपभोक्ता की जेब पर कितना अतिरिक्त बोझ डालेंगी। रक्षाबंधन पर बहने के लिए मिठाई खरीदने से लेकर जन्माष्टमी के प्रसाद और गणपति उत्सव की मिठाइयों तक, चीनी लगभग हर त्योहार की रसोई का अनिवार्य हिस्सा है। इसलिए इसकी कीमत में उछाल का असर केवल एक वस्तु तक सीमित नहीं रहता, बल्कि मिठाई, पेय पदार्थ, बेकरी और अन्य खाद्य उत्पादों की लागत भी बढ़ाता है।

सरकार ने फिलहाल कमर कस ली है और स्टॉक सीमा घटाकर बाजार में अनावश्यक भंडारण रोकने की कोशिश शुरू कर दी है। लेकिन लंबे समय का समाधान केवल स्टॉक सीमा या आयात से नहीं निकलेगा। चीनी, एथेनॉल और गन्ने की नीति के बीच ऐसा संतुलन बनाना होगा जिससे किसानों को बेहतर मूल्य मिले, एथेनॉल की जरूरत भी पूरी हो और घरेलू उपभोक्ताओं के लिए चीनी पर्याप्त और उचित कीमत पर उपलब्ध रहे। त्योहारों में मिठास तभी कायम रह सकती है जब उत्पादन, भंडारण, निर्यात और औद्योगिक उपयोग के बीच सही तालमेल हो। फिलहाल सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि त्योहारों की बढ़ती मांग के बीच चीनी की कीमतों को कड़वाहट आम परिवारों की खुशियों पर भारी न पड़े।

मक्का रक्षा समझौता और भारतीय उपमहाद्वीप का बदलता भू-राजनीतिक चक्रव्यूह

मक्का में सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच सात अगस्त 2026 को हुआ ‘मक्का संयुक्त रक्षा समझौता’ भारतीय उपमहाद्वीप में ऐसे समय में सामने आया है जब मध्य-पूर्व में जारी संघर्षों ने पारंपरिक सुरक्षा समीकरणों को हिला दिया है। समझौते के तहत तीनों देशों ने सामूहिक प्रतिरोध को मजबूत करने और किसी एक सदस्य पर शस्त्र हमले को तीनों पर हमला मानने की प्रतिबद्धता जताई है। तब हमें जरूर ध्यान रखना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में बड़े संकट अक्सर किसी संधि के हस्ताक्षर के दिन से आरंभ होकर बाद में बनते हुए नेटवर्कों से आकार लेते हैं। बांग्लादेश की वर्तमान रुवि इसी उमरते नेटवर्क का पहला संकेत हो सकती है, जिसे शुरूआत में ही जड़ से उखाड़ा जाना बेहद जरूरी है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत के लिए इस घटनाक्रम की गंभीरता तब और बढ़ जाती है, जब इसी समझौते के प्रति बांग्लादेश ने भी सकारात्मक रुख के संकेत दिए हैं। बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर ने कहा है कि ढाका सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये से जुड़े आर्थिक या रक्षा ढांचे में शामिल होने की संभावना के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखता है। ऐसे में मक्का समझौते को इस्लामिक मजहबी करण के उम्मा के तहत एकजुटता के चरम से भी देखा जा रहा है। तुर्किये के पास विकसित होती रक्षा औद्योगिक क्षमता है, जबकि पाकिस्तान के पास बड़ा सैन्य ढांचा और परमाणु क्षमता है, इसलिए इसे ‘इस्लामिक नाटो’ तक कहा जा रहा है। बांग्लादेश की रुचि इसी कारण महत्वपूर्ण है। ढाका ने अभी समझौते में शामिल होने की घोषणा नहीं की है, किंतु उसके वरिष्ठ अधिकारियों के वक्तव्य यह स्पष्ट करते हैं कि वह पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के साथ अपने संबंधों को व्यापक बनाने के विकल्प को खुला रख रहा है। एक ओर हुमायूं कबीर ने बांग्लादेश फर्स्ट नीति के तहत राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही है। दूसरी ओर विदेश मामलों की राज्यमंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने भी कहा है कि किसी बहुपक्षीय समझौते में

शामिल होने का निर्णय इस बात पर निर्भर करेगा कि उससे बांग्लादेश और उसके लोगों के हित सुरक्षित होते हैं या नहीं। स्वभाविक है, यदि



बांग्लादेश भविष्य में इस ढांचे के किसी रक्षा स्वरूप से जुड़ता है, तो भारत के लिए यह बेहद चिंता का विषय है। क्योंकि इससे भारत के पूर्वोत्तर की रणनीतिक स्थिति पर उसका प्रभाव पड़ सकता है। विशेष रूप से सिलीगुड़ी कॉरिडोर भारत की सुरक्षा संरचना का अत्यंत संवेदनशील हिस्सा है। पश्चिम बंगाल के उत्तर में स्थित यह संकीर्ण भूभाग देश के मुख्य हिस्से को पूर्वोत्तर

राज्यों से जोड़ता है।

किसी भी बड़े सैन्य संकट में इसकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। वहीं, भारत के

और पूर्वी दिशाओं में अतिरिक्त सैन्य संसाधन लगाने पड़ेंगे। वहीं मक्का समझौता पाकिस्तान को अपनी क्षेत्रीय और इस्लामी दुनिया की कूटनीति में नया मंच भी देगा। पाकिस्तान पहले से सऊदी अरब के साथ रक्षा संबंधों में गहराई रखता है और तुर्किये के साथ उसके सैन्य संबंध भी मजबूत हैं। मक्का समझौता इन द्विपक्षीय रिश्तों को एक त्रिपक्षीय ढांचे में जोड़ता है। ऐसे में भारत के लिए चुनौती यह है कि पाकिस्तान भविष्य में इस मंच का उपयोग कश्मीर सहित भारत से जुड़े मुद्दों को व्यापक अंतरराष्ट्रीय या इस्लामी कूटनीतिक विमर्श में ले जाने के लिए भी कर सकता है।

अब भारत के संदर्भ में एक पक्ष और भी है, देश की बाहरी सुरक्षा जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण आंतरिक स्थिरता भी है। आतंकवाद और इस्लामिक जिहादी, चरमपंथी नेटवर्क किसी भी संभावित सैन्य संकट में बाहरी शक्तियों के लिए अप्रत्यक्ष दबाव का माध्यम बनते हैं, इसलिए खुफिया एजेंसियों, राज्य पुलिस, आतंकवाद निरोधी इकाइयों, वित्तीय जांच एजेंसियों और साइबर सुरक्षा तंत्र के बीच सहजिक समय में सूचनाओं के आदान-प्रदान को मजबूत करना होगा। ‘गजवा-ए-हिंद’ जैसी हिंसक चरमपंथी विचारधाराओं का मुकाबला सख्ती के साथ करना होगा। दूसरी ओर मक्का समझौते का सबसे बड़ा सबक भारत के लिए यह है कि भू-राजनीति स्थिर नहीं है। आज का

साझेदार कल किसी दूसरे रणनीतिक ढांचे का हिस्सा हो सकता है, इसलिए भारत की सुरक्षा नीति को किसी एक देश या किसी एक संभावित युद्ध पर केंद्रित रहने के बजाय पूरे हिंद महासागर से लेकर हिमालय और पूर्वोत्तर तक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाना होगा। भारत को एक साथ चार काम करने होंगे, पहला- बांग्लादेश के साथ उच्चस्तरीय रणनीतिक संवाद बनाए रखना, दूसरा- पूर्वोत्तर और सिलीगुड़ी कॉरिडोर की संरचनात्मक सुरक्षा बढ़ाना, तीसरा- बंगाल की खाड़ी में समुद्री श्रेष्ठता कायम रखना और अंतिम- पाकिस्तान-तुर्किये की रक्षा साझेदारी से उत्पन्न संभावित तकनीकी चुनौतियों के लिए स्वदेशी क्षमता विकसित करते रहना, जिस पर कि इन दिनों कार्य होता हुआ भी दिखता है।

अंतिम और महत्वपूर्ण बात यह है कि भले ही मक्का रक्षा समझौता आज भारत के खिलाफ घोषित सैन्य गठबंधन नहीं हो, फिर भी यह सच है कि बांग्लादेश द्वारा इसमें संभावित भागीदारी के प्रति दिखाई गई सकारात्मकता भारतीय उपमहाद्वीप के लिए एक अलग चुनौती खड़ा करती है। यदि पश्चिम में पाकिस्तान और पूर्व में बांग्लादेश किसी ऐसे व्यापक सुरक्षा नेटवर्क के करीब आते हैं, जिसमें तुर्किये जैसी रक्षा तकनीकी शक्ति भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, तो भारत के सामने योजनात्मक गणित निश्चित रूप से जटिल होगा।

जिला अस्पताल में अचानक पहुंचा प्रशासन, मरीजों से लिया सीधा फीडबैक

कलेक्टर के निर्देश पर औचक निरीक्षण, दवाओं की उपलब्धता, सफाई और स्टाफ की उपस्थिति जांची

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और अस्पतालों की व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त रखने के उद्देश्य से प्रशासन ने निगरानी तेज कर दी है इसी क्रम में कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े के निर्देशानुसार प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर स्वप्निल वर्मा एवं सुश्री नेहा खलखो ने जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ स्थित जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया अधिकारियों के अचानक अस्पताल पहुंचने से प्रशासनिक हलचल बढ़ गई। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की व्यवस्थाओं की जमीनी स्थिति परखी गई और संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए अधिकारियों ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, ओपीडी एवं इमरजेंसी सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने डॉक्टरों एवं अस्पताल स्टाफ से मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी



लेते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक मरीज को समय पर उपचार मिले और स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए मरीजों से आमने-सामने बातचीत कर लिया फीडबैक निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारी जनरल वार्ड एवं महिला वार्ड पहुंचे और भर्ती मरीजों तथा उनके परिजनों से सीधे बातचीत की अधिकारियों ने अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं, डॉक्टरों द्वारा समय पर जांच एवं उपचार, दवाइयों की उपलब्धता और अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में मरीजों से फीडबैक

लिया मरीजों से मिली जानकारी के आधार पर अस्पताल प्रबंधन को निर्देशित किया गया कि शासन की योजनाओं के तहत उपलब्ध दवाइयां मरीजों को अस्पताल से ही उपलब्ध कराई जाएं यह भी सुनिश्चित किया जाए कि मरीजों को अनावश्यक रूप से बाहर से दवा खरीदने की स्थिति निर्मित न हो सफाई व्यवस्था और कर्मचारियों की उपस्थिति पर भी नजर अधिकारियों ने अस्पताल परिसर, विभिन्न वार्डों एवं शौचालयों में साफ-सफाई की स्थिति का निरीक्षण किया। बायोमैडिकल



कचरे का नियमानुसार उचित निपटान करने तथा अस्पताल में नियमित स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए इसके साथ ही डॉक्टरों एवं नर्सिंग स्टाफ की उपस्थिति पंजिका की भी जांच की गई अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि ड्यूटी के दौरान समयबद्धता, अनुशासन और जिम्मेदारी में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी दवा स्टॉक और पैथोलॉजी लैब का भी लिया जायजा निरीक्षण दल ने अस्पताल के दवा भंडारण कक्ष का जायजा लेकर जीवन रक्षक दवाइयों की उपलब्धता, दवाओं के स्टॉक और

उनकी वैधता की जानकारी ली। एक्सपायरी डेट की दवाइयों को लेकर विशेष सतर्कता बरतने तथा दवाओं का सुरक्षित एवं व्यवस्थित भंडारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए पैथोलॉजी लैब के निरीक्षण के दौरान जांच सुविधाओं एवं उपकरणों की स्थिति की जानकारी ली गई अधिकारियों ने आवश्यक जांच सुविधाएं मरीजों को अस्पताल में ही उपलब्ध कराने तथा जांच उपकरणों को चालू हालत में रखने पर जोर दिया, ताकि दूर-दराज से आने वाले मरीजों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े मरीजों के

प्रति संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित करने के निर्देश निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने अस्पताल प्रबंधन को स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर सुधार के साथ मरीजों एवं उनके परिजनों के प्रति संवेदनशील और सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए अस्पताल में आने वाले गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों को बेहतर उपचार, आवश्यक दवाइयां और सम्मानजनक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है कलेक्टर के निर्देश पर किए गए इस औचक निरीक्षण से प्रशासन ने अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर अपनी गंभीरता और सख्त निगरानी का संदेश दिया है अधिकारियों ने संकेत दिया कि स्वास्थ्य संस्थानों की व्यवस्था की जमीनी स्थिति परखने के लिए आगे भी औचक निरीक्षण जारी रहेगा तथा लापरवाही पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीसगढ़ में 31 IPS अफसरों का तबादला : DG पवन देव का विभाग बदला, काबरा को रेल-ट्रैफिक की अतिरिक्त जिम्मेदारी



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ सरकार ने पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल करते हुए 31 IPS अधिकारियों के तबादले और नई पदस्थापनाएं की हैं। शासन की ओर से जारी आदेश में कई वरिष्ठ अधिकारियों के प्रभार बदले गए हैं नई व्यवस्था के तहत अधिकारियों को आगामी आदेश तक नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं 1992 बैच के IPS अधिकारी सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाओं का महानिदेशक बनाया गया है वहीं 1994 बैच के एसआरपी कर्लुरी को छत्तीसगढ़ पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन का प्रबंध संचालक नियुक्त किया गया है गुरजिंदर पाल सिंह को महानिदेशक प्रशिक्षण के साथ राज्य पुलिस अकादमी के महानिदेशक की जिम्मेदारी दी गई है प्रदीप गुप्ता को अतिरिक्त

पुलिस महानिदेशक प्रशासन एवं चयन का दायित्व सौंपा गया है 1997 बैच के IPS अधिकारी दीपांशु काबरा को उनकी वर्तमान जिम्मेदारियों के साथ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रेल और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक यातायात का प्रभार दिया गया है। वहीं विवेकानंद को वर्तमान दायित्वों के साथ वित्त, योजना एवं प्रबंध का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है अमित कुमार को वर्तमान जिम्मेदारी के साथ एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक की जिम्मेदारी दी गई है। डॉ. आनंद छबड़ा को तकनीकी सेवाएं, डायल-112 और दूरसंचार से जुड़े विभागों का प्रभार सौंपा गया है पुलिस मुख्यालय में ओमप्रकाश पाल को पुलिस महानिरीक्षक कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है।

नर्मदापुरम में कावड़ यात्रा में दिखा आदिवासी संस्कृति और भक्ति का संगम



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। नर्मदापुरम में सावन के चौथे और अंतिम सोमवार को आदिवासी शिव मंदिर समिति के नेतृत्व में भव्य कावड़ यात्रा निकाली गई सुबह करीब 10 बजे सर्किट हाउस घाट से शुरू हुई यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए श्रद्धालुओं ने नर्मदा जल से कावड़ भरी और भगवा वस्त्र पहनकर हर-हर महादेव के जयकारों के साथ यात्रा शुरू की इससे शहर का माहौल पूरी तरह शिवमय नजर आया यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण आदिवासी संस्कृति पर

आधारित नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रहीं तेलंगाना और आंध्रप्रदेश के कोमू कोया आदिवासी नृत्य ने लोगों का विशेष ध्यान खींचा इसके अलावा शिव तांडव, शिव बारात और भगवान शिव की लीलाओं पर आधारित प्रस्तुतियां भी दी गई तेलंगाना, गुजरात, अलीराजपुर और झाबुआ से आए कलाकारों ने क्षेत्रीय और महादेव के जयकारों के साथ यात्रा शुरू की इससे शहर का माहौल पूरी तरह शिवमय नजर आया यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण आदिवासी संस्कृति पर

गेट नंबर-3 मंदिर परिसर में कलाकारों ने विशेष प्रस्तुतियां दीं जनजातीय समाज की महिलाओं ने भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया कावड़ यात्रा का शहर में जगह-जगह फूलों से स्वागत किया गया शाम करीब 4 बजे यात्रा सतरस्ता पहुंची इसके बाद ओवरब्रिज और भोपाल तिराहे से होते हुए एसपीएम गेट नंबर-4 के रास्ते शिव मंदिर पहुंची यहां श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का नर्मदा जल से जलाभिषेक किया इसके बाद महाआरती आयोजित की गई

यात्रा परिवहन अधिकारी वीरेश तुमराम और अशोक कुशराम के नेतृत्व में निकाली गई आयोजकों के अनुसार, यात्रा में भक्ति के साथ आदिवासी परंपराओं और सांस्कृतिक विविधता को भी प्रमुखता दी गई इधर, सावन के अंतिम सोमवार की शाम भगवान काले महादेव की शाही सवारी भी निकाली जाएगी काले महादेव मंदिर से शुरू होकर सवारी शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेंगी इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है।



महतारी वंदन की राशि से संगीता के परिवार में रक्षाबंधन की खुशियां दोगुनी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। रक्षाबंधन से पहले महतारी वंदन योजना की राशि खाते में पहुंचने से ग्राम नागपुर निवासी संगीता केवट के परिवार में त्योहार की खुशियां बढ़ गई हैं। समय पर मिली आर्थिक सहायता से संगीता अब परिवार के लिए राखी और मिठाई खरीदने की तैयारी कर रही हैं संगीता ने बताया कि योजना से मिलने वाली राशि उनके लिए केवल आर्थिक मदद नहीं बल्कि परिवार की जरूरतें पूरी करने और त्योहार उत्साह से मनाने का सहारा है नियमित आर्थिक सहायता से महिलाओं को घरेलू जरूरतों में अपनी भागीदारी निभाने और निर्णय लेने में आत्मविश्वास मिल रहा है।

चिरमिरी में सड़क के गड्ढों में भरा पानी तो कांग्रेसियों ने रोपे धान हल्दीबाड़ी में अनोखा प्रदर्शन, निगम प्रशासन को दी चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। चिरमिरी नगर निगम क्षेत्र में खराब सड़कों की समस्या को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अनोखा प्रदर्शन किया। हल्दीबाड़ी इलाके में सड़कों पर बने गड्ढों में बारिश का पानी भरने के बाद कांग्रेसियों ने उनमें धान के पौधे रोपकर विरोध जताया। कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के जरिए नगर निगम प्रशासन का ध्यान लंबे समय से खराब पड़ी सड़कों की ओर आकर्षित किया कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि चिरमिरी की कई प्रमुख और स्थानीय सड़कों की हालत लगातार खराब होती जा रही है। सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं जिनमें बारिश का पानी भरने से वाहन चालकों और पैदल



राहगीरों को आवागमन में परेशानी हो रही है पानी भरे होने के कारण कई बार गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे हादसे का खतरा भी बना रहता है कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष शिवाश जैन ने कहा कि

सड़कों की खराब स्थिति को लेकर महापौर और नगर निगम के अधिकारियों को कई बार जानकारी दी जा चुकी है इसके बावजूद अब तक मरम्मत को लेकर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि समय के

साथ गड्ढे और बड़े होते जा रहे हैं और लोगों की परेशानी बढ़ रही है पूर्व महापौर के. डमरू रेड्डी ने नगर निगम प्रशासन को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यदि एक सप्ताह से 10 दिन के भीतर गड्ढों को भरने और सड़क सुधार का काम शुरू नहीं किया गया तो कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर जाकर चंदा जमा करेंगे इसके बाद जमा राशि से सड़कों के गड्ढे भरने का काम किया जाएगा कांग्रेस नेताओं ने कहा कि बारिश के मौसम में सड़क की स्थिति और खराब हो रही है स्थानीय लोगों ने भी उम्मीद जताई है कि प्रदर्शन के बाद नगर निगम प्रशासन जल्द सड़कों की मरम्मत कराएगा और आवागमन की समस्या से राहत मिलेगी।

29 अगस्त को खेलों से सजेगा एमसीबी जिला राष्ट्रीय खेल दिवस पर होगा भव्य आयोजन

सरगुजा ओलंपिक के लिए पंजीयन शुरू, खिलाड़ी 29 अगस्त तक करा सकेंगे पंजीयन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस 2026-27 एवं सरगुजा ओलंपिक 2026-27 का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन को लेकर जिले के युवा खिलाड़ियों में उत्साह का माहौल है राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जहां जिले में भव्य खेल आयोजन होगा वहीं सरगुजा ओलंपिक के लिए खिलाड़ियों के पंजीयन की प्रक्रिया भी जारी है 29 अगस्त को मनाया जाएगा राष्ट्रीय खेल दिवस महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की

जयंती के अवसर पर 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। एमसीबी जिले में राष्ट्रीय खेल दिवस का मुख्य कार्यक्रम 29 अगस्त 2026, शनिवार को दोपहर 2 बजे स्वामी आत्मानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के मैदान में आयोजित किया जाएगा कार्यक्रम में युवा खिलाड़ी जनप्रतिनिधि जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी तथा विभिन्न खेल संघों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। आयोजन का उद्देश्य युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देना और जिले की खेल प्रतिभाओं को बेहतर अवसर एवं मंच उपलब्ध कराना है सरगुजा ओलंपिक के लिए 29 अगस्त तक पंजीयन सरगुजा

संभाग के अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरगुजा ओलंपिक 2026-27 का आयोजन किया जा रहा है। एमसीबी जिले के सभी विकासखंडों में खिलाड़ियों का पंजीयन 10 अगस्त से 29 अगस्त 2026 तक किया जा रहा है विकासखंड स्तरीय एवं जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं सितंबर माह में प्रस्तावित हैं जबकि संभाग स्तरीय प्रतियोगिता अक्टूबर माह में आयोजित की जाएगी विभाग ने इच्छुक खिलाड़ियों से निर्धारित समय सीमा के भीतर पंजीयन करने की अपील की है।

BJP नेत्री ने युवक को चप्पल से पीटा, VIDEO वायरल : महामाया मंदिर परिसर में चोरी के पुराने विवाद पर भिड़े दो पक्ष दोनों परU FIR

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। रतनपुर के महामाया मंदिर परिसर में चोरी के पुराने विवाद को लेकर भाजपा से जुड़े दो पक्षों के बीच विवाद हो गया गाली-गलौज के बाद दोनों पक्षों में मारपीट हुई इसी दौरान भाजपा महिला मोर्चा अल्पसंख्यक मंडल महामंत्री रेहना बेगम द्वारा एक युवक की चप्पल से पिटाई करने का वीडियो सामने आया है घटना के बाद दोनों पक्षों ने रतनपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज किया है जानकारी के मुताबिक, मंदिर रोड निवासी तुषार पटेल की दुकान से करीब एक सप्ताह पहले सामान चोरी हुआ था शनिवार को उन्होंने महामाया मंदिर गेट के पास दुकान पर काम करने वाले करिया उर्फ मनोज को देखा और चोरी को लेकर शक जताया मनोज ने

इसकी जानकारी रेहना बेगम को दी इसके बाद विवाद बढ़ गया तुषार का आरोप है कि मौके पर पहुंची रेहना बेगम समेत अन्य लोगों ने गाली-गलौज करते हुए उनके साथ मारपीट की बीच-बचाव करने पहुंचे उनके परिजनों के साथ भी मारपीट का आरोप लगाया गया है वहीं रेहना बेगम ने भी शिकायत दर्ज करते हुए दूसरे पक्ष पर गाली-गलौज और मारपीट का आरोप लगाया है उनका कहना है कि विवाद के दौरान उनके साथ मारपीट की गई और बीच-बचाव करते पहुंचे लोगों को भी पीटा गया घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वीडियो में दिखाई दे रहे लोगों और घटना की पूरी परिस्थितियों की पुष्टि जांच के बाद होगी।

मिलावटखोरों पर प्रशासन का शिकंजा, मिठाई-पनीर दही और बेकरी उत्पादों के नमूने जांच के लिए भेजे

बने खाबो-बने रहिबो 2.0 अभियान के तहत खाद्य प्रतिष्ठानों में सघन जांच, कमियां मिलने पर नोटिस

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। त्योहारी सीजन को देखते हुए जिले में लोगों को सुरक्षित, शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने जांच अभियान तेज कर दिया है इसी क्रम में 'बने खाबो-बने रहिबो 2.0' अभियान के तहत मनेन्द्रगढ़ शहर के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों में सघन निरीक्षण किया गया। टीम ने मिठई, डेयरी, बेकरी एवं होटल प्रतिष्ठानों की जांच करते हुए खाद्य पदार्थों के नमूने संकलित किए। निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों पर संबंधित कारोबारियों को सुधार सूचना नोटिस भी जारी किए गए कलेक्टर के



निर्देश पर खाद्य प्रतिष्ठानों में पहुंची टीम नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन दीपक अग्रवाल तथा कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े की निष्ठा एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अविनाश खरे के मार्गदर्शन में खाद्य एवं औषधि

प्रशासन की टीम ने मनेन्द्रगढ़ के विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया अभियान के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, भंडारण, स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन की स्थिति की जांच की गई अधिकारियों ने खाद्य कारोबारियों को निर्धारित मानकों का



पालन करते हुए उपभोक्ताओं को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए मिठई दुकानों से लिए खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के दौरान शुभम स्वीट्स, स्लैवे फाटक रोड से बेसन लड्डू, गुलाब जामुन एवं मिल्क केक के नमूने संकलित किए गए

निरीक्षण में सामने आई कमियों के संबंध में प्रतिष्ठान संचालक को सुधार सूचना नोटिस जारी किया गया वहीं जेकेडी रोड पर प्राप्त शिकारत के आधार पर कईाई करते हुए पर्चैन्सून शक्कर का नमूना भी जांच के लिए लिया गया डेयरी प्रतिष्ठानों में पनीर

और दही की जांच खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने हनुमान डेयरी का निरीक्षण कर पनीर, दही एवं टोस्ट के नमूने लिए इसी प्रकार सिंह डेयरी से खट्टा दही एवं नमकीन का नमूना संकलित किया गया सभी नमूनों को खाद्य गुणवत्ता की जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है अधिकारियों ने डेयरी संचालकों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखने स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने तथा निर्धारित खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश दिए बेकरी और होटल प्रतिष्ठानों में भी जांच अभियान के तहत हनागरण बेकरी का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों की जांच की गई है।

सब्जी मंडी में सब्जी चोरी करते युवक पकड़ा व्यापारियों ने पुलिस को सौंपा; 10 हजार की चोरी का आरोप



मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। पंधाना रोड स्थित सब्जी मंडी में सोमवार सुबह व्यापारियों ने एक युवक को सब्जी चोरी करते हुए पकड़ लिया। व्यापारियों का आरोप है कि युवक पहले भी मंडी से सब्जियों की पोटली चोरी कर चुका है। उस पर करीब 10 हजार रुपए की सब्जी चोरी करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है। सोमवार सुबह मंडी में कारोबार चल रहा था। इसी दौरान व्यापारियों की नजर एक संदिग्ध युवक पर पड़ी। आरोप है कि वह सब्जी चोरी करने की कोशिश कर रहा था। व्यापारियों ने उसे मौके पर पकड़ लिया और मंडी के सुरक्षा गार्ड स्टाफ को सूचना दी। सुरक्षा गार्ड शुभम यादव ने युवक को पकड़कर पुलिस को जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मंडी पहुंची और युवक को अपने साथ ले गई। पूछताछ में युवक ने अपना नाम प्रफुल्ल तिवारी निवासी इटावा (उत्तरप्रदेश) बताया। उसने पुलिस को बताया कि वह मंडी क्षेत्र के प्लेटफार्म नंबर-6 पर रहता है। पुलिस उससे चोरी के संबंध में पूछताछ कर रही है।

पहले भी चोरी करने का आरोप: व्यापारियों का आरोप है कि युवक पहले भी मंडी में चोरी कर चुका है। वह कई बार करीब 15 किलो सब्जियों की पोटली चोरी कर ले गया। व्यापारियों ने उस पर करीब 10 हजार रुपए की चोरी का आरोप लगाया है। हालांकि, इन आरोपों की स्थिति पुलिस की जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

शिकायत दर्ज कराने पुलिस के साथ गए फरियादी: युवक को पुलिस वाहन से थाने ले जाया गया। इस दौरान कुछ फरियादी भी उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए पुलिस के साथ रवाना हुए। व्यापारियों ने कहा कि यदि युवक के खिलाफ पहले भी चोरी की शिकायतें सामने आई हैं तो पुलिस को मामले की जांच करनी चाहिए।

मंडी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल: व्यापारियों के मुताबिक, सुबह के समय मंडी में किसान, व्यापारी, हम्माल और खरीदार बड़ी संख्या में मौजूद रहते हैं। उनका आरोप है कि भीड़ का फायदा उठाकर संदिग्ध लोग सामान लेकर बाहर निकल जाते हैं। व्यापारियों ने मंडी प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने प्रवेश और निकासी वाले स्थानों पर निगरानी बढ़ाने और संदिग्ध लोगों की गतिविधियों पर नजर रखने की मांग की है, ताकि किसानों और व्यापारियों का सामान सुरक्षित रह सके।

एक दिन में 196 हितग्राहियों को आधार संबंधी सेवाओं का लाभ

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत ग्यारसपुर जनपद पंचायत क्षेत्र की 25 ग्राम पंचायतों में शनिवार को एक साथ विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों में ग्रामीणों को आधार से संबंधित विभिन्न सेवाओं का लाभ मौके पर ही उपलब्ध कराया गया। एक ही दिन में कुल 196 हितग्राहियों की आधार संबंधी सेवाएं दर्ज की गई हैं। शिविरों में उपलब्ध कराई गई सेवाओं के आंकड़ों के अनुसार 38 नए आधार पंजीयन, 37 डेमो/डेमोग्राफिक संबंधी कार्य, 112 बायोमेट्रिक कार्य तथा 9 एमबीयू (मोबाइल अपडेट/आधार संबंधी अपडेट) किए गए। प्रशासन की ओर से ग्रामीणों को आवश्यक दस्तावेजों एवं प्रक्रिया की जानकारी भी उपलब्ध कराई गई। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक सहज एवं त्वरित रूप से पहुंचाना है। इसी क्रम में ग्यारसपुर क्षेत्र में आयोजित इन विशेष शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को आधार से जुड़ी सेवाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ा और उन्हें अपने ही ग्राम में सुविधा उपलब्ध हुई। अभियान के निर्धारित बिंदुओं की प्रगति पर कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता स्वयं निगरानी कर रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा मैदानी स्तर पर अधिकारियों और कर्मचारियों को शिविरों में अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने तथा लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। विशेष शिविरों के दौरान ग्राम पंचायतों में पहुंचने वाले हितग्राहियों की समस्याओं को सुना गया तथा संबंधित सेवाओं के लिए आवश्यक कार्रवाई मौके पर की गई। प्रशासन का प्रयास है कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के माध्यम से शासन की सेवाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सरल, सुगम और पारदर्शी तरीके से पहुंचाया जाए। ग्यारसपुर जनपद पंचायत के सीईओ द्वारा उपलब्ध प्रमुख आंकड़े तदनुसार शनिवार को एक साथ कुल 25 ग्राम पंचायतों में आधार संबंधी सेवाओं/कार्य से लाभान्वित: 196 हितग्राहियों में से नए आधार पंजीयन: 38 के बनाए गए हैं। जबकि डेमो/डेमोग्राफिक कार्य: 37 का किया गया है। वहीं बायोमेट्रिक कार्य: 112 हितग्राही लाभान्वित हुए हैं।इसके अलावा 9 हितग्राहियों का एमबीयू: कार्य संपन्न कराया गया है।

सीहोर में मानसून सक्रिय, बुधनी में 2.05 इंच बारिश रिकॉर्ड:अब तक जिले में 27.70 इंच वर्षा, अगले 48 घंटे मध्यम से भारी बरसात का अनुमान

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में मानसून लगातार सक्रिय बना हुआ है। सोमवार को जिले में औसतन 0.38 इंच बारिश दर्ज की गई। इस दौरान बुधनी क्षेत्र में सर्वाधिक 2.05 इंच वर्षा हुई।अन्य क्षेत्रों में भैरूदा में 0.71 इंच, श्यामपुर में 0.22 इंच और सीहोर शहर में 0.08 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। हालांकि, आप्टा, जावर, इच्छावर और रेहटी में इस दिन कोई बारिश दर्ज नहीं हुई। मानसून सीजन की शुरुआत 1 जून से 24 अगस्त तक जिले में कुल औसतन 27.70 इंच बारिश हो चुकी है। पिछले साल इसी अवधि में 31.63 इंच वर्षा दर्ज की गई थी। इस सीजन में अब तक सीहोर में 32.99 इंच, रेहटी में 31.41 इंच, बुधनी में 29.13 इंच, भैरूदा में 28.94 इंच, इच्छावर में 26.02 इंच, आप्टा में 26.18 इंच, श्यामपुर में 25.51 इंच और जावर में 21.46 इंच कुल बारिश दर्ज की गई है। **अगले 48 घंटों में बारिश का** विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र और मध्य प्रदेश से गुजर रही ट्रफ लाइन के कारण जिले में नमी बनी हुई है। , जिससे रुक-रुक कर बौछारें पड़ रही हैं। विभाग ने अगले 48 घंटों के दौरान जिले के कई हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश जारी रहने का अनुमान जताया है।

रतलाम से गुजरेंगी 2 नई साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस

बांद्रा-गोरखपुर और अहमदाबाद-भागलपुर ट्रेन अब रेग्युलर, 26 अगस्त से शुरुआत

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर और अहमदाबाद-भागलपुर के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेनों को अब नियमित साप्ताहिक ट्रेन के रूप में चलाएगा। दोनों ट्रेनों को अमृत भारत एक्सप्रेस के रूप में चलाया जाएगा। इनके ट्रेन नंबर भी बदल दिए गए हैं। दोनों ट्रेनों का रतलाम स्टेशन पर ठहराव रहेगा। ट्रेन नंबर 15086 बांद्रा टर्मिनस से 29 अगस्त से हर शनिवार रात 9.45 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन रविवार सुबह 6.45 बजे रतलाम पहुंचेगी और 6.55 बजे रवाना होकर सोमवार सुबह 6.45 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 15085 गोरखपुर से हर शुक्रवार सुबह 7.50 बजे चलेगी। यह शनिवार सुबह 4.55 बजे रतलाम पहुंचेगी और 5 बजे रवाना होकर शनिवार शाम 5.45



बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। **इन स्टेशनों पर रुकेगी:** दोनों वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम,

इटारसी में चलती ट्रेन से गिरा यात्री

मैसूर-जयपुर एक्सप्रेस के मैनेजर ने प्रेशर ड्रॉप कर रोकी ट्रेन, प्राथमिक इलाज किया

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी रेलवे स्टेशन से रवाना हुई मैसूर-जयपुर एक्सप्रेस (12975) में रविवार शाम एक यात्री चलती ट्रेन से गिर गया। मेल ट्रेन मैनेजर रोमेश चौबे की सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई से यात्री की जान बच गई। उन्होंने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोकी और घायल यात्री को तत्काल प्राथमिक उपचार दिया। यह घटना रविवार की शाम को हुई। मैसूर-जयपुर एक्सप्रेस शाम 5:23 बजे इटारसी स्टेशन से भोपाल की ओर रवाना हुई थी। ट्रेन कुछ ही दूर आगे बढ़ी थी कि जनरल कोच में यात्रा कर रहे यात्री रामवीर कोहली अचानक असंतुलित होकर चलती ट्रेन के दरवाजे से नीचे गिर गए। ट्रेन से गिरने के बाद रामवीर पटरी



के किनारे काफी दूर तक घिसटते चले गए। इस कारण उनके शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं और अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा। हादसे में उनके हाथ की दो अंगुलियों के नाखून भी उखड़ गए थे।

पटरी पर घिसटता दिखा यात्री: ट्रेन के सबसे पीछे ब्रेक वैन में तैनात मेल ट्रेन मैनेजर रोमेश चौबे की नजर जैसे ही पटरी पर घिसटते यात्री पर पड़ी, उन्होंने तुरंत ट्रेन का ब्रेसर ड्रॉप कर इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया।

अचानक ब्रेक लगने से ट्रेन रुक गई।

चौबे तुरंत डिब्बे से नीचे उतरे और अन्य यात्रियों की मदद से गंभीर रूप से घायल रामवीर को सुरक्षित स्थान पर ले आए। चौबे ने बिना समय गंवाए अपनी ब्रेक वैन से फर्स्ट एड किट निकाली। उन्होंने घायल यात्री के घावों को साफ कर पट्टी बांधी और रक्तस्राव को रोक। इसके बाद यात्री को अपनी ब्रेक वैन में सुरक्षित बिठाया। चौबे ने तत्काल पंचकुअलिटी और कर्मशियल कंट्रोल रूम को हादसे की जानकारी दी। उन्होंने भोपाल रेलवे स्टेशन पर अग्रिम रूप से एम्बुलेंस तैनात रखने के निर्देश दिलाए, ताकि ट्रेन पहुंचते ही यात्री को तुरंत अस्पताल पहुंचाया जा सके।

जन विश्वास अभियान में बैंकिंग योजनाओं का विस्तार, 25 पंचायतों में 614 नागरिक हुए लाभान्वित

ग्यारसपुर ब्लॉक में बीसी/कियोस्क के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को मिला बढ़ावा

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में शासकीय योजनाओं और बैंकिंग सेवाओं की पहुंच आम नागरिकों तक सुनिश्चित करने के लिए लगातार विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 21 अगस्त को ग्यारसपुर ब्लॉक की विभिन्न ग्राम पंचायतों में बीसी/कियोस्क के माध्यम से बैंकिंग एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की प्रगति का विशेष कैंप आयोजित किया गया। कैंप के दौरान ग्रामीण नागरिकों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJ-BY), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY), अटल पेंशन योजना (APY) तथा बैंक खातों की री-केवाईसी (Re-KYC) के संबंध में जानकारी देकर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ा गया। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगों तक पहुंचाना रहा।

चार प्रमुख सेवाओं में 614 प्रकरणों की प्रगति: 21 अगस्त की प्राप्त प्रगति रिपोर्ट के अनुसार विभिन्न पंचायतों में आयोजित कैंपों के माध्यम से कुल 166 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, 251 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा 55 हितग्राहियों को अटल पेंशन योजना से जोड़ा गया। इसके अलावा 142 बैंक खातों की री-केवाईसी की गई। इस प्रकार चारों प्रमुख गतिविधियों में कुल 614 प्रकरणों में प्रगति दर्ज की गई। इनमें प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में सर्वाधिक 251 हितग्राही जुड़े, जबकि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत 166, री-केवाईसी के 142 तथा अटल पेंशन योजना के 55 प्रकरण दर्ज किए गए।

कई ग्राम पंचायतों तक पहुंची बैंकिंग सुविधा:अभियान के दौरान SBI गुलाबगंज, SBI अटारीखेजड़ा, बैंक ऑफ बड़ौदा ग्यारसपुर, CO ग्यारसपुर तथा MPGकृगुलाबगंज एवं सोजना से जुड़े बीसी/कियोस्क प्रतिनिधियों ने विभिन्न ग्राम पंचायतों में सेवाएं उपलब्ध कराईं। इनमें ग्यारसपुर, अमिलंजा, पथरई, चिरावट, सिमरहार, सुभाषखेड़ी, मडौपुर, अटारीखेजड़ा, मेहरूखेड़ी, सुमेरबरी सहित अन्य पंचायतें शामिल रहीं। इसके साथ ही

हथियाखेड़ा, घोसुआ, ऊमरकोटरा, दिधोरा, लखवांगर, नादौर, इम्लावदा, इंद्रवास, बंजेरिया, मानोरा, अंबर, चाटेली, मुडुरागणेशपुर, वन और सोजना सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी बीसी/कियोस्क के माध्यम से बैंकिंग सेवाओं की प्रगति दर्ज की गई।

ग्रामीणों को सामाजिक सुरक्षा से जोड़ने पर जोर:जन विश्वास कार्यक्रम के तहत आयोजित इस प्रकार के कैंपों से ग्रामीण नागरिकों को बैंक शाखाओं तक बार-बार जाने की आवश्यकता कम होती है और उन्हें उनके गांव के आसपास ही बैंकिंग तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से संबंधित सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं। बीसी एवं कियोस्क प्रतिनिधियों द्वारा पात्र नागरिकों को बीमा और पेंशन योजनाओं की जानकारी देकर आवेदन एवं आवश्यक बैंकिंग प्रक्रिया में सहयोग किया जा रहा है। प्रशासन का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र नागरिक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से वंचित न रहे। इसी दिशा में बीमा सुरक्षा, पेंशन सुविधा और का कार्य जन विश्वास अभियान के माध्यम से जारी है।

नर्मदापुरम में सावन में पहली बार ढाई घंटे मूसलाधार बारिश

बरगी डैम से पानी छोड़े जाने पर सेठानी घाट का जलस्तर 950.70 फीट पहुंचा, सीढ़ियां डूबीं



कई सीढ़ियां जलमग्न हो गईं। गर्मी के मौसम में सेठानी घाट पर नर्मदा का सामान्य जलस्तर करीब 934 फीट रहता

नदी का जलस्तर सामान्य से करीब 16 फीट अधिक दर्ज किया गया। अगस्त सुबह 8:30 बजे तक नर्मदापुरम में न्यूनतम तापमान 23.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि यहां 92.8 मिमी यानी करीब 3.7 इंच बारिश हुई है। वहीं पंचमढी में न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहा और 3 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश का अंतिम आंकड़ा अब सामने आया है। नर्मदापुरम में करीब पौने चार इंच से अधिक बारिश हुई है।

बरगी डैम से पानी छोड़े जाने का असर: जबलपुर स्थित बरगी डैम के गेट पिछले पांच दिनों से खुले हैं। डैम से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण नर्मदा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। बीते दो दिनों में सेठानी घाट पर जलस्तर करीब 7.2 फीट बढ़ चुका है।

हर घंटे बढ़ रहा नर्मदा का

जलस्तर: आंकड़ों के मुताबिक 22 अगस्त की सुबह से नर्मदा के जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की गई। 22 अगस्त सुबह जलस्तर 943.20 फीट था। 23 अगस्त सुबह 8 बजे यह 947.20 फीट और सुबह 11 बजे 948 फीट पहुंच गई है। वहीं पंचमढी में न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहा और 3 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश का अंतिम आंकड़ा अब सामने आया है। नर्मदापुरम में करीब पौने चार इंच से अधिक बारिश हुई है।

बरगी डैम से पानी छोड़े जाने का असर: जबलपुर स्थित बरगी डैम के गेट पिछले पांच दिनों से खुले हैं। डैम से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण नर्मदा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। बीते दो दिनों में सेठानी घाट पर जलस्तर करीब 7.2 फीट बढ़ चुका है।

हर घंटे बढ़ रहा नर्मदा का

जलस्तर: आंकड़ों के मुताबिक 22 अगस्त की सुबह से नर्मदा के जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की गई। 22 अगस्त सुबह जलस्तर 943.20 फीट था। 23 अगस्त सुबह 8 बजे यह 947.20 फीट और सुबह 11 बजे 948 फीट पहुंच गई है। वहीं पंचमढी में न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहा और 3 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश का अंतिम आंकड़ा अब सामने आया है। नर्मदापुरम में करीब पौने चार इंच से अधिक बारिश हुई है।

बरगी डैम से पानी छोड़े जाने का असर: जबलपुर स्थित बरगी डैम के गेट पिछले पांच दिनों से खुले हैं। डैम से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण नर्मदा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। बीते दो दिनों में सेठानी घाट पर जलस्तर करीब 7.2 फीट बढ़ चुका है।

हर घंटे बढ़ रहा नर्मदा का

जलस्तर: आंकड़ों के मुताबिक 22 अगस्त की सुबह से नर्मदा के जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की गई। 22 अगस्त सुबह जलस्तर 943.20 फीट था। 23 अगस्त सुबह 8 बजे यह 947.20 फीट और सुबह 11 बजे 948 फीट पहुंच गई है। वहीं पंचमढी में न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहा और 3 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश का अंतिम आंकड़ा अब सामने आया है। नर्मदापुरम में करीब पौने चार इंच से अधिक बारिश हुई है।

बरगी डैम से पानी छोड़े जाने का असर: जबलपुर स्थित बरगी डैम के गेट पिछले पांच दिनों से खुले हैं। डैम से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण नर्मदा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। बीते दो दिनों में सेठानी घाट पर जलस्तर करीब 7.2 फीट बढ़ चुका है।

हर घंटे बढ़ रहा नर्मदा का

जलस्तर: आंकड़ों के मुताबिक 22 अगस्त की सुबह से नर्मदा के जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की गई। 22 अगस्त सुबह जलस्तर 943.20 फीट था। 23 अगस्त सुबह 8 बजे यह 947.20 फीट और सुबह 11 बजे 948 फीट पहुंच गई है। वहीं पंचमढी में न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहा और 3 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश का अंतिम आंकड़ा अब सामने आया है। नर्मदापुरम में करीब पौने चार इंच से अधिक बारिश हुई है।

बरगी डैम से पानी छोड़े जाने का असर: जबलपुर स्थित बरगी डैम के गेट पिछले पांच दिनों से खुले हैं। डैम से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण नर्मदा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। बीते दो दिनों में सेठानी घाट पर जलस्तर करीब 7.2 फीट बढ़ चुका है।

हर घंटे बढ़ रहा नर्मदा का

जलस्तर: आंकड़ों के मुताबिक 22 अगस्त की सुबह से नर्मदा के जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की गई। 22 अगस्त सुबह जलस्तर 943.20 फीट था। 23 अगस्त सुबह 8 बजे यह 947.20 फीट और सुबह 11 बजे 948 फीट पहुंच गई है। वहीं पंचमढी में न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहा और 3 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश का अंतिम आंकड़ा अब सामने आया है। नर्मदापुरम में करीब पौने चार इंच से अधिक बारिश हुई है।

बरगी डैम से पानी छोड़े जाने का असर: जबलपुर स्थित बरगी डैम के गेट पिछले पांच दिनों से खुले हैं। डैम से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण नर्मदा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। बीते दो दिनों में सेठानी घाट पर जलस्तर करीब 7.2 फीट बढ़ चुका है।

हर घंटे बढ़ रहा नर्मदा का

जलस्तर: आंकड़ों के मुताबिक 22 अगस्त की सुबह से नर्मदा के जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की गई। 22 अगस्त सुबह जलस्तर 943.20 फीट था। 23 अगस्त सुबह 8 बजे यह 947.20 फीट और सुबह 11 बजे 948 फीट पहुंच गई है। वहीं पंचमढी में न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहा और 3 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश का अंतिम आंकड़ा अब सामने आया है। नर्मदापुरम में करीब पौने चार इंच से अधिक बारिश हुई है।

बरगी डैम से पानी छोड़े जाने का असर: जबलपुर स्थित बरगी डैम के गेट पिछले पांच दिनों से खुले हैं। डैम से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण नर्मदा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। बीते दो दिनों में सेठानी घाट पर जलस्तर करीब 7.2 फीट बढ़ चुका है।

हर घंटे बढ़ रहा नर्मदा का

जलस्तर: आंकड़ों के मुताबिक 22 अगस्त की सुबह से नर्मदा के जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की गई। 22 अगस्त सुबह जलस्तर 943.20 फीट था। 23 अगस्त सुबह 8 बजे यह 947.20 फीट और सुबह 11 बजे 948 फीट पहुंच गई है। वहीं पंचमढी में न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहा और 3 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश का अंतिम आंकड़ा अब सामने आया है। नर्मदापुरम में करीब पौने चार इंच से अधिक बारिश हुई है।

बरगी डैम से पानी छोड़े जाने का असर: जबलपुर स्थित बरगी डैम के गेट पिछले पांच दिनों से खुले हैं। डैम से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण नर्मदा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। बीते दो दिनों में सेठानी घाट पर जलस्तर करीब 7.2 फीट बढ़ चुका है।

हर घंटे बढ़ रहा नर्मदा का

जलस्तर: आंकड़ों के मुताबिक 22 अगस्त की सुबह से नर्मदा के जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की गई। 22 अगस्त सुबह जलस्तर 943.20 फीट था। 23 अगस्त सुबह 8 बजे यह 947.20 फीट और सुबह 11 बजे 948 फीट पहुंच गई है। वहीं पंचमढी में न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहा और 3 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश का अंतिम आंकड़ा अब सामने आया है। नर्मदापुरम में करीब पौने चार इंच से अधिक बारिश हुई है।

बरगी डैम से पानी छोड़े जाने का असर: जबलपुर स्थित बरगी डैम के गेट पिछले पांच दिनों से खुले हैं। डैम से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण नर्मदा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। बीते दो दिनों में सेठानी घाट पर जलस्तर करीब 7.2 फीट बढ़ चुका है।

हर घंटे बढ़ रहा नर्मदा का

जलस्तर: आंकड़ों के मुताबिक 22 अगस्त की सुबह से नर्मदा के जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की गई। 22 अगस्त सुबह जलस्तर 943.20 फीट था। 23 अगस्त सुबह 8 बजे यह 947.20 फीट और सुबह 11 बजे 948 फीट पहुंच गई है। वहीं पंचमढी में न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहा और 3 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश का अंतिम आंकड़ा अब सामने आया है। नर्मदापुरम में करीब पौने चार इंच से अधिक बारिश हुई है।

बरगी डैम से पानी छोड़े जाने का असर: जबलपुर स्थित बरगी डैम के गेट पिछले पांच दिनों से खुले हैं। डैम से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण नर्मदा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। बीते दो दिनों में सेठानी घाट पर जलस्तर करीब 7.2 फीट बढ़ चुका है।

हर घंटे बढ़ रहा नर्मदा का

जलस्तर: आंकड़ों के मुताबिक 22 अगस्त की सुबह से नर्मदा के जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की गई। 22 अगस्त सुबह जलस्तर 943.20 फीट था। 23 अगस्त सुबह 8 बजे यह 947.20 फीट और सुबह 11 बजे 948 फीट पहुंच गई है। वहीं पंचमढी में न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहा और 3 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश का अंतिम आंकड़ा अब सामने आया है। नर्मदापुरम में करीब पौने चार इंच से अधिक बारिश हुई है।

बरगी डैम से पानी छोड़े जाने का असर: जबलपुर स्थित बरगी डैम के गेट पिछले पांच दिनों से खुले हैं। डैम से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण नर्मदा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। बीते दो दिनों में सेठानी घाट पर जलस्तर करीब 7.2 फीट बढ़ चुका है।

हर घंटे बढ़ रहा नर्मदा का

जलस्तर: आंकड़ों के मुताबिक 22 अगस्त की सुबह से नर्मदा के जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की गई। 22 अगस्त सुबह जलस्तर 943.20 फीट था। 23 अगस्त सुबह 8 बजे यह 947.20 फीट और सुबह 11 बजे 948 फीट पहुंच गई है। वहीं पंचमढी में न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहा और 3 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश का अंतिम आंकड़ा अब सामने आया है। नर्मदापुरम में करीब पौने चार इंच से अधिक बारिश हुई है।

बरगी डैम से पानी छोड़े जाने का असर: जबलपुर स्थित बरगी डैम के गेट पिछले पांच दिनों से खुले हैं। डैम से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण नर्मदा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। बीते दो दिनों में सेठानी घाट पर जलस्तर करीब 7.2 फीट बढ़ चुका है।

हर घंटे बढ़ रहा नर्मदा का

जलस्तर: आंकड़ों के मुताबिक 22 अगस्त की सुबह से नर्मदा के जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की गई। 22 अगस्त सुबह जलस्तर 943.20 फीट था। 23 अगस्त सुबह 8 बजे यह 947.20 फीट और सुबह 11 बजे 948 फीट पहुंच गई है। वहीं पंचमढी में न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहा और 3 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश का अंतिम आंकड़ा अब सामने आया है। नर्मदापुरम में करीब पौने चार इंच से अधिक बारिश हुई है।

बरगी डैम से पानी छोड़े जाने का असर: जबलपुर स्थित बरगी डैम के गेट पिछले पांच दिनों से खुले हैं। डैम से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण नर्मदा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। बीते दो दिनों में सेठानी घाट पर जलस्तर करीब 7.2 फीट बढ़ चुका है।

हर घंटे बढ़ रहा नर्मदा का

जलस्तर: आंकड़ों के मुताबिक 22 अगस्त की सुबह से नर्मदा के जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की गई। 22 अगस्त सुबह जलस्तर 943.20 फीट था। 23 अगस्त सुबह 8 बजे यह 947.20 फीट और सुबह 11 बजे 948 फीट पहुंच गई है। वहीं पंचमढी में न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहा और 3 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश का अंतिम आंकड़ा अब सामने आया है। नर्मदापुरम में करीब पौने चार इंच से अधिक बारिश हुई है।

बरगी डैम से पानी छोड़े जाने का असर: जबलपुर स्थित बरगी डैम के गेट पिछले पांच दिनों से खुले हैं। डैम से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण नर्मदा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। बीते दो दिनों में सेठानी घाट पर जलस्तर करीब 7.2 फीट बढ़ चुका है।

हर घंटे बढ़ रहा नर्मदा का

जलस्तर: आंकड़ों के मुताबिक 22 अगस्त की सुबह से नर्मदा के जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की गई। 22 अगस्त सुबह जलस्तर 943.20 फीट था। 23 अगस्त सुबह 8 बजे यह 947.20 फीट और सुबह 11 बजे 948 फीट पहुंच गई है। वहीं पंचमढी में न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहा और 3 मिमी बारिश दर्ज की गई। बार

कुलदीप यादव को ड्रॉप करने पर कोटक का बड़ा बयान

‘बीमारी का बहाना बनाने की जरूरत नहीं थी’



नई दिल्ली,एजेसी। : भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कुलदीप यादव को दूसरे टेस्ट की प्लेइंग इलेवन से बाहर किए जाने की अफवाहों को खारिज कर दिया है। कोटक ने साफ कहा कि कुलदीप वास्तव में वायरल बीमारी से जुड़ा रहे थे और उन्हें ड्रॉप किए जाने की बात करना उचित नहीं है। कुलदीप की जगह साराश जैन को टेस्ट डेब्यू का मौका मिला।

कुलदीप के बाहर होने पर कई लोगों ने सवाल उठाए थे। गॉल टेस्ट में केवल एक विकेट लेने के बाद उनके ड्रॉप होने की अटकलें लगाई जा रही थीं। इस पर कोटक ने कहा, ‘अगर टीम को स्पिनर की जरूरत होती और फिर भी वह नहीं खेलते, तभी बीमारी का बहाना बनाने की जरूरत पड़ती। जब खिलाड़ी खेलने की स्थिति में ही नहीं है तो यह सोचना कि वह फिट होते तो खेलते या नहीं, बेकार है। ऐसा सोचना उनके साथ बहुत नाइसानी होगी।’ कोटक ने आगे कहा, ‘मुझे नहीं लगता कि कुलदीप की फिटनेस पर यह कोई प्रासंगिक सवाल है। अगर वह फिट ही नहीं हैं तो फिर वह कैसे सोच सकते हैं कि उन्हें खेलना है या नहीं। जब वह गॉल से यहां आए थे, तब उन्हें सच में वायरल था।’ भारत के बल्लेबाजी कोच के मुताबिक कुलदीप की तबीयत में अब सुधार है और शाम तक उनकी हालत सुबह की तुलना में काफी बेहतर दिखी।

- ‘पंत दूसरे दिन बल्लेबाजी के लिए फिट’

कोटक ने ऋषभ पंत की फिटनेस पर भी अपडेट दिया। पंत को लाहिरू कुमारा की बाउंसर लगने के बाद रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा था, लेकिन कोटक ने उन्हें दूसरे दिन बल्लेबाजी के लिए फिट बताया। उन्होंने कहा कि पंत जरूरत पड़ने पर मैदान पर उतर सकेंगे। दूसरे टेस्ट के पहले दिन भारत ने 85 ओवर में 5 विकेट पर 300 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। देवदत्त पडिक्कल ने 117 रन की शानदार पारी खेली, जबकि शुभमन गिल ने अर्धशतक जमाया। साराश जैन ने डेब्यू मैच में चार रन बनाए और भारत अब निचले क्रम से बड़े योगदान की उम्मीद कर रहा है। कोटक ने पडिक्कल की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि शुरुआती जीवनदान का फायदा उठाकर शतक बनाना आसान नहीं होता और पडिक्कल ने इस मौके को बेहतरीन तरीके से भुनाया। भारतीय टीम को अब उम्मीद है कि निचला मध्यक्रम दूसरे दिन योगदान देकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाएगा।

बांग्लादेश की हार से भारत को फाइदा

ICC टेस्ट रैंकिंग में हुआ बड़ा उलटफेर



नई दिल्ली,एजेसी। : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश की हार भारत के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) फाइनल की रेस में फायदेमंद साबित हुई है। मैके में ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को पारी और 51 रन से हराया, जिसके बाद बांग्लादेश के PCT में गिरावट आई। अब भारत अगर श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में दूसरा टेस्ट जीत लेता है तो वह WTC अंक तालिका में बांग्लादेश को पीछे छोड़कर चौथे स्थान पर पहुंच सकता है। WTC में भारत के पास बांग्लादेश को पछड़ाने का मौका ऑस्ट्रेलिया की जीत से WTC अंक तालिका में बांग्लादेश को बड़ा नुकसान हुआ है। पहले टेस्ट में जीत के बाद बांग्लादेश का PCT 66.67 था, जो दूसरे टेस्ट में हार के बाद घटकर 55.56 हो गया। इसके बावजूद बांग्लादेश फिलहाल चौथे स्थान पर बना हुआ है। भारत के खाने में 10 मैचों के बाद 64 अंक और 53.33 का PCT है। टीम इंडिया ने इस दौरान पांच मैच जीते, चार गंवाए और एक मुकाबला ड्रॉ रहा। ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ दूसरा टेस्ट जीतते ही भारत बांग्लादेश को पीछे छोड़कर WTC तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच जाएगा।

- **हार के बावजूद बांग्लादेश ने रचा ICC टेस्ट रैंकिंग में इतिहास**

मैके टेस्ट में करारी हार के बावजूद बांग्लादेश के लिए एक बड़ी खुशखबरी भी सामने आई। ICC की ताजा टेस्ट टीम रैंकिंग में बांग्लादेश ने तीन स्थान की छलांग लगाकर पहली बार छठा स्थान हासिल कर लिया है। बांग्लादेश अब वेस्टइंडीज, पाकिस्तान और श्रीलंका से ऊपर है और उसके 78 रेटिंग अंक हैं। बांग्लादेश के टेस्ट कप्तान नजमुल हसन शांतो ने इसे बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि छोटे स्थान पर पहुंचना अच्छी खबर है और टीम के लिए यह एक बड़ा उपलब्धि है, हालांकि उन्होंने यह भी माना कि दूसरे टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन किया जा सकता था।

- **23 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज खेलने पहुंचा था बांग्लादेश-**

शांतो ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अधिक टेस्ट मैच खेलने की इच्छा भी जताई। बांग्लादेश ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में 23 साल बाद टेस्ट सीरीज खेली थी। इससे पहले टीम 2003 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट सीरीज खेलने गई थी। शांतो के अनुसार, अगर बांग्लादेशी खिलाड़ी नियमित रूप से ऑस्ट्रेलिया जैसे चुनौतीपूर्ण हालात में खेलेंगे तो उन्हें वहां की परिस्थितियों और तेज गेंदबाजी के खिलाफ खुद को ढालने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि टीम के करीब 90 प्रतिशत खिलाड़ियों को पहले ऑस्ट्रेलिया में खेलने का अनुभव नहीं था।

- **डार्विन में ऐतिहासिक जीत, मैके में स्टार्क का कहर**

पहले टेस्ट में बांग्लादेश ने इतिहास रचते हुए ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर पहली बार टेस्ट में हराया था। टीम ने दूसरी पारी में 57 रन के छोटे लक्ष्य को नौ विकेट से जीत लिया था। उस मुकाबले में हसन महमूद ने छह विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 198 रन पर समेटा था, जबकि तंजीद हसन तमीम के शतक की बदौलत बांग्लादेश ने 426 रन बनाए थे। दूसरे टेस्ट में तस्वीर पूरी तरह बदल गई। मिचेल स्टार्क ने पहली पारी में 6/12 लेकर बांग्लादेश को 64 रन पर ढेर कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने कैमरून ग्रीन के 67 रन की मदद से 210 रन बनाए। दूसरी पारी में स्टार्क ने 4/39 लेकर फिर से बांग्लादेशी बल्लेबाजी को ध्वस्त किया और पूरी टीम 95 रन पर सिमट गई।

जायसवाल और फर्नांडो पर ICC ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ठेका भारी जुर्माना



कोलंबो (श्रीलंका),एजेसी। : भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो में खेले जा रहे ICC वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के दूसरे टेस्ट के पहले दिन मैदान पर हुई एक घटना के बाद ICC ने भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल और श्रीलंकाई गेंदबाज असिथा फर्नांडो पर कार्रवाई की है।

ICC के अनुसार दोनों खिलाड़ियों को ‘खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए ICC आचार संहिता’ के अनुच्छेद 2.12 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया। यह नियम ‘किसी खिलाड़ी, खिलाड़ी सहायता कर्मी, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति (जिसमें अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान दर्शक भी शामिल हैं) के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क’ से संबंधित है। इसके परिणामस्वरूप जायसवाल और फर्नांडो दोनों पर उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और एक डिमेरिट पॉइंट दिया गया। घटना से पहले के 24 महीनों में किसी भी खिलाड़ी ने कोई अपराध नहीं किया था।

यह घटना भारत की पारी के 17वें ओवर में फर्नांडो द्वारा जायसवाल को आउट करने के बाद हुई। जायसवाल जब पवेलियन लौट रहे थे तो फर्नांडो ने उन्हें कुछ कहा और भारतीय

बल्लेबाज श्रीलंकाई तेज गेंदबाज के पास गए और दोनों के बीच बातचीत हुई जिसके बाद फर्नांडो ने अपना सिर जायसवाल की ओर बढ़ाया। इसके बाद जायसवाल आगे झुके, जिससे दोनों के सिर आपस में टकरा गए। दोनों खिलाड़ियों ने उल्लंघन की बात स्वीकार की और एमिरेट्स दृष्टि एलीट पैनल ऑफ मैच रेफरी के एंडी पाइक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित सजा को मान लिया, जिससे औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी।

कोलंबो टेस्ट की बात करें तो भारत ने मैच में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है और दूसरे दिन बारिश के कारण जल्दी ‘टी ब्रेक’ (चाय के लिए ब्रेक) लेने से पहले 475/8 का स्कोर बना लिया था। दूसरे सत्र में 36 रन जोड़ने के बाद ध्रुव जुरेल 95 रन पर नाबाद रहे, जो उनके पहले टेस्ट शतक से सिर्फ 5 रन दूर थे। लंच के बाद पहली ही गेंद पर ऋषभ पंत 69 रन बनाकर आउट हो गए जबकि बाद में मानव सुथार 18 रन पर आउट हुए। इससे पहले पंत और जुरेल के बीच 112 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी हुई थी जबकि देवदत्त पडिक्कल के 117 और शुभमन गिल के 50 रनों की मदद से भारत ने पहले दिन मजबूत स्थिति बना ली थी।

ऋषभ पंत ने रचा इतिहास



● **धोनी को पीछे छोड़ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बने**

कोलंबो,एजेसी। : भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। पंत ने विदेशी या न्यूट्रल वेन्यू पर टेस्ट मैचों में बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने चोट के बावजूद दूसरे दिन मैदान पर वापसी करते हुए यह खास उपलब्धि हासिल की।

- **धोनी को पीछे छोड़ पंत बने नंबर-1-**

कोलंबो टेस्ट के दौरान ऋषभ पंत ने विदेशी और न्यूट्रल वेन्यू पर बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। पंत के नाम रिपोर्ट लिखे जाने तक 41.68 की औसत से 2,501 रन दर्ज हो गए थे,

जबकि महेंद्र सिंह धोनी ने 2,496 रन बनाए थे। इस सूची में फारुख इंजीनियर 1,209 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। सैयद किरमानी ने 1,109 रन बनाए हैं, जबकि किरण मोरे 901 रनों के साथ शीर्ष पांच में शामिल हैं।

- **दूसरे टेस्ट के पहले दिन चोटिल हुए थे पंत-श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन ऋषभ पंत को बल्लेबाजी के दौरान चोट लग गई थी। भारतीय पारी के तीसरे सत्र में लाहिरू कुमारा की एक शॉर्ट गेंद पंत के बाएं हाथ पर लगी। पंत ने गेंद को स्वभाव के पीछे पुल करने की कोशिश की थी, लेकिन वह गेंद को मिस कर बैठे और गेंद सीधे उनके बाएं हाथ पर जा लगी। चोट लगने के बाद पंत दर्द में नजर आए और भारतीय टीम के फिजियो ने तुरंत मैदान पर पहुंचकर उनका इलाज किया।**

दिल्ली से गुवाहाटी शिफ्ट होगा टूर्नामेंट, सुरक्षा इंतजामों के चलते लिया गया



2029 में नई दिल्ली लौट आएगा।’ 2027 और 2029 में दिल्ली में होगा इंडिया ओपन BAI ने साफ किया है कि यह बदलाव स्थायी नहीं है। वर्ष 2027 का इंडिया ओपन नई दिल्ली में ही आयोजित होगा, जबकि गुवाहाटी में होने वाले 2028 संस्करण के बाद टूर्नामेंट 2029 में फिर से दिल्ली लौट आएगा। इंडिया ओपन भारत के सबसे प्रतिष्ठित बैडमिंटन टूर्नामेंटों में शामिल है और BWF वर्ल्ड सीरीज का प्रमुख आयोजन है। 2028 में गुवाहाटी को इसकी मेजबानी मिलने से पूर्वोत्तर भारत में बैडमिंटन की भी बड़ा मंच मिलने की उम्मीद है।

एडमंड की हैट्रिक, ईस्ट बंगाल ने 17वीं बार जीता इस्ट कप का खिताब

कोलकाता,एजेसी। : ईस्ट बंगाल ने शानदार खेल दिखाते हुए मोहन बागान को 4-1 से हराकर रिकॉर्ड 17वीं बार इस्ट कप का खिताब अपने नाम किया। इस जीत में एडमंड लालरिंडिका ने डब्ली मैच में शानदार हैट्रिक लगाई। एटोर्नियो लोपेज हबास की कोचिंग वाली टीम ने बेहतरीन खेल दिखाया। कप्तान मोहम्मद राशिद ने मिडफिल्ड को संभाला और हमलों की योजना बनाई। ईस्ट बंगाल ने पहले हाफ में ही चार गोल करके अपने कप्तान प्रतिद्वंद्वी को बुरी शुरुआत दी। राशिद ने

10वें मिनट में बिपिन सिंह के पहले गोल में मदद की और बाद में 44वें मिनट में लालरिंडिका के हैट्रिक वाले गोल में भी सहायता की। जेसिन टिके की जगह अकेले फॉरवर्ड के तौर पर खेलते हुए लालरिंडिका ने 12वें और 22वें मिनट में भी गोल किए। ईस्ट बंगाल ने रोमांचक पहले हाफ में ही अपने प्रतिद्वंद्वी की उम्मीदें लगभग खत्म कर दी थीं। मोहन बागान के लिए मनवीर सिंह ने 33वें मिनट में एक गोल किया, जो ‘मैरिनस’ (मोहन बागान टीम) के लिए खुशी का एकमात्र पल था।



इंग्लैंड के क्रिकेटर को पुलिस ने नाइटक्लब के बाहर से हिरासत में लिया

वीडियो सामने आने के बाद जांच शुरू



लंदन ,एजेसी। : इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स के मामले की जांच शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है जिसमें उन्हें डब्ली में एक नाइटक्लब के बाहर पुलिस हथकड़ी लगाकर ले जाती हुई दिख रही है। बताया जा रहा है कि यह घटना शनिवार देर रात हुई। पिछले 12 महीनों में इंग्लैंड के किसी क्रिकेटर से जुड़ी यह एक और शर्मनाक घटना है, जिससे टीम के शराब के साथ संबंधों पर और सवाल उठ सकते हैं। ‘द टेलीग्राफ क्रिकेट’ द्वारा ङ्ग पर पोस्ट किए गए एक वीडियो के अनुसार पुलिस ने कार्स को हिरासत में लिया था, लेकिन गिरफ्तार नहीं किया। कार्स पाकिस्तान के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट मैचों के लिए इंग्लैंड की टीम का हिस्सा थे, लेकिन अंतिम एकादश (प्लेइंग इल्लु) में जगह न मिलने के कारण उन्हें काउंटी चैंपियनशिप में डरहम के लिए खेलने के लिए रिलीज कर दिया गया था। उन्होंने 26 रन बनाए और 82 रन देकर 2 विकेट लिए, जिससे डरहम ने तीन दिनों के भीतर डब्लीशायर पर जीत हासिल की। बताया जा रहा है कि जब यह घटना हुई, तब कार्स अपने डरहम टीम के साथियों के साथ जश्न मना रहे थे। श्वेकून रविवार को कहा, ‘हमें उस घटना के बारे में पता है जो कल रात डब्ली में हुई बताई जा रही है और हम अभी इसकी जांच कर रहे हैं। जब संभव होगा, हम आगे की जानकारी देंगे।’ कार्स पिछली सर्दियों की एशेज सीरीज में इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे, लेकिन इस गमी में अभी तक किसी अंतरराष्ट्रीय मैच में नहीं खेले हैं। कलाई और कोहनी की चोट के कारण वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज नहीं खेल पाए थे और भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए उन्हें देर से टीम में शामिल किया गया था। बाद में ‘द हेडेड’ में सनराइजर्स लीड्स के लिए खेलते हुए अपनी फिटनेस साबित करने के बाद उन्हें इंग्लैंड की टेस्ट टीम में शामिल किया गया।

कोको गॉफ ने दूसरी बार जीता खिताब

● **पुरुष वर्ग में आर्थर फिल्स चैंपियन बने**



मेसन (अमेरिका),एजेसी। : कोको गॉफ ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला को सीधे सेटों में हराकर सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब दूसरी बार अपने नाम कर लिया। वहाँ, पुरुष एकल के फाइनल में फ्रांस के आर्थर फिल्स ने अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो को हराकर अपने करियर का पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीत लिया।गॉफ ने पेगुला को सीधे सेटों में हराया महिला एकल के फाइनल में कोको गॉफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेसिका पेगुला को 6-2, 6-4 से मात दी। गॉफ ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और पहले सेट में 5-0 की मजबूत बढ़त हासिल करने के बाद उसे 6-2 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में पेगुला ने वापसी करने की कोशिश की और स्कोर को 5-4 तक पहुंचा दिया। हालांकि, गॉफ ने दबाव में शानदार संयम दिखाया और मैच जीतकर सिनसिनाटी में अपना दूसरा महिला एकल खिताब जीत लिया। गॉफ ने मुकाबले के दौरान मिले छह में से पांच ब्रेक व्वाइंट को भुनाया।

● **56 साल बाद अमेरिकी खिलाड़ियों के**

बीच हुआ महिला फाइनल

पेगुला ने सेमीफाइनल में मौजूदा चैंपियन इगा स्वियातेक को हराया था, जबकि गॉफ ने सारा बेजलेक को मात देकर फाइनल में जगह बनाई थी। इसके साथ ही सिनसिनाटी ओपन में 56 वर्षों बाद दो अमेरिकी महिला खिलाड़ियों के बीच महिला एकल का फाइनल खेला गया। इससे पहले वर्ष 1970 में सिनसिनाटी ओपन में महिला फाइनल में अमेरिका की रोजी कैसल्स और नेन्सी रिची आमने-सामने हुई थीं। उस मुकाबले में कैसल्स ने जीत दर्ज की थी। गॉफ इससे पहले वर्ष 2023 में कैरोलिना मुचुवा को हराकर सिनसिनाटी ओपन का अपना पहला खिताब जीत चुकी थी। अब उन्होंने दूसरी बार टॉफी अपने नाम कर इस टूर्नामेंट में अपनी मजबूत पकड़ साबित की है। आर्थर फिल्स ने जीता पहला मास्टर्स 1000 खिताब पुरुष एकल के फाइनल में फ्रांस के आर्थर फिल्स ने अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो को 6-3, 1-6, 6-0 से हराया।

जल जमाव वाले क्षेत्रों में नहीं पनपे मच्छर, पेयजल को शुद्ध और क्लोरीनेशन कराये समय-सीमा प्रकरणों की बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने विगत दिनों जिले में हुई लगातार वर्षा के दौरान शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जल जमाव वाले स्थानों पर मलेरिया और डेंगू के मच्छर पनपने नहीं देने के सभी आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिये है उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में नगरीय निकाय और ग्रामीण क्षेत्रों में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी तथा ग्राम पंचायतें सभी पेयजल स्त्रों का क्लोरीनेशन और जरमेक्स से पेयजल की शुद्धता कराये इसके साथ ही खुले कुओं में ब्लीचिंग पावडर एवं क्लोरीन टेबलेट से पेयजल का शुक्लिकरण कराने और लोगों में साफस्वच्छ जल एवं जल स्त्रों का पानी उवाालकर ही पीने के लिए उपयोग करने की जागरूकता लाने के निर्देश दिये है सोमवार को समय-सीमा प्रकरणों की संपन्न बैठक में सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर विकास सिंह, एसडीएम राहुल सिलाडिया, सुमेश द्विवेदी, सुभाष मिश्रा, संदीप श्रीवास्तव,



डिप्टी कलेक्टर जीतेन्द्र वर्मा, संदीप परस्ते सहित जनपद के सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ तथा विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे कलेक्टर ने कहा कि बरसात के मौसम में जल जन्य और मच्छर जनित बीमारियां नहीं फैले इसके आवश्यक प्रबंध स्वास्थ्य विभाग और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग करें अतिवर्षा के दौरान जल जमाव को हटाने और पानी की सुचारू निकासी के लिए आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत कार्यवाही करें विशेष रूप से जहां नदियां और नालों का पानी उतरा है



और एजेंसियों की सड़कों में गड़े हुए है, अथवा खराब हुई हैं उन सड़कों में तत्काल मरम्मत कार्य कर मोटेबेल बनाये सड़कों के गड्ढों में मिट्टी मुरुम नहीं भरे बल्कि अच्छी सामग्री से क्रामेक्सन करें उन्होंने सतना-चित्रकूट मार्ग पर राष्ट्रीय राजमार्ग में एनवीडीए की नहर डायवर्सन रोड को उचित स्वरूप में बनाये रखने के निर्देश नर्मदा घाटी विकास के अधिकारियों को दिये इसी प्रकार सतना-फ्ना रोड पर सोहावल मोड के पास निर्माणाधीन मेहर, सतना मार्ग और अंडर पास ब्रिज के निर्माण में मुख्य सड़क पर नाले का पानी बहाने पर राष्ट्रीय

करना लापरवाही को दर्शाता है एक-दो दिन में स्कूल का निर्माण प्रारंभ करें अन्यथा अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी डीएमएफके कार्यों की समीक्षा में कलेक्टर ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता ठीक रखने के निर्देश दिये उन्होंने बताया कि वन विभाग द्वारा झूरी नाला (चित्रकूट) के लिए स्वीकृत जल संरक्षण कार्य बेहतर रूप से पूर्ण किया गया है। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के आउट सोर्स कर्मचारियों को समय पर मानदये दिये जाने के निर्देश सीएमएचओ और सिविल सर्जन को दिये उन्होंने समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में आंमि अंतराल में नेशनल हेल्थ मिशन की उपयंत्री अनीता द्विवेदी के उपस्थित होने पर नाराजगी व्यक्त की नगरीय निकायों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की समीक्षा में कलेक्टर ने बल्क बेस्ट जनरेशन के पंजीजन और भी बढ़ाने के निर्देश दिये। इसके तहत अभी तक नगर निगम सतना सहित 9 नगरीय निकायों में कुल 32 बल्क बेस्ट जनरेशन रजिस्टर्ड किये गये है।



50 प्रतिशत हिस्सा विकसित प्लॉट के रूप में वापस दिए जाने और शेष 50 प्रतिशत भूमि का उपयोग प्राधिकरण द्वारा किए जाने की व्यवस्था प्रस्तावित है द्विवेदी ने सवाल उठया कि किसानों की जमीन लेकर उसका आधा हिस्सा ही वापस करना किस तरह न्यायसंगत है उन्होंने कहा कि सरकार को विकास योजनाओं के नाम पर किसानों के हितों और उनकी सहमति का ध्यान रखना चाहिए आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि यदि सरकार ने क्षेत्र के किसानों की जमीन लेने का निर्णय आगे बढ़या तो कौंसिल किसानों के साथ खड़ी होगी उन्होंने चेतावनी दी कि किसानों के हितों के खिलाफ कोई कदम उठया गया तो पार्टी आंदोलन करेगी उन्होंने कहा कि चित्रकूट की भूमि से लोगों की भावनाएं जुड़ी हैं और विकास के नाम पर स्थानीय किसानों के अधिकारों की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए।

सिंधु विकास समिति करेगी शिक्षकों का सम्मान: बैठक में शिक्षक दिवस पर समारोह आयोजित करने का निर्णय, मुक्तिधाम में निर्माण कार्यों पर भी चर्चा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। विंध्य क्षेत्र की अग्रणी समाजसेवी संस्था सिंधु विकास समिति की विशेष बैठक रविवार, 23 अगस्त को कंवर नगर सिंधी कॉलोनी स्थित गेलानी परिसर में आयोजित की गई बैठक को अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष विनोद गेलानी ने की इस दौरान संस्था के संरक्षक गोपी गेलानी सहित पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। बैठक में सामाजिक कार्यों और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई शिक्षक दिवस पर होगा सम्मान समारोह संस्था के मीडिया प्रभारी अमित कामरानी ने बताया कि बैठक में 5 सितंबर को मनाए जाने वाले शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित करने का



निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। यह दिवस देश के प्रथम उपराष्ट्रपति और महान शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है समिति की ओर से शिक्षक सम्मान समारोह के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा आयोजन की तैयारियों को लेकर आगामी दिनों में आवश्यक रूपरेखा तैयार की जाएगी मुक्तिधाम में निर्माण कार्यों पर चर्चा बैठक में नारायण मुक्तिधाम परिसर में प्रस्तावित निर्माण कार्यों पर भी विचार-विमर्श किया गया। मीडिया प्रभारी अमित कामरानी ने बताया कि

जनसहयोग से मुक्तिधाम परिसर में जल्द ही अन्य निर्माण कार्य शुरू किए जाएंगे। समिति की ओर से इन कार्यों को लेकर आवश्यक तैयारियों का जवा है। बैठक में संस्था के संरक्षक गोपी गेलानी, अध्यक्ष विनोद गेलानी, ज्ञान खटवानी इंद्रलाल आडवाणी,चंद शीतलानी, घनश्याम मंधरानी, संजय वाधवानी, महेश रावलानी, दिलीप सोनी, गंगाराम सचदेव, रंजीत सेनानी, अमित कामरानी, बसंत खत्री और भरत आहूजा सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे समिति पदाधिकारियों ने सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यों को आगे भी निरंतर जारी रखने और जनसहयोग से सेवा गतिविधियों को विस्तार देने पर जोर दिया।

जिला जनगणना हस्तपुस्तिका के आंकड़ा संग्रहण कार्य में प्रगति लाने अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिला जनगणना हस्तपुस्तिका (डीसीएमबी) 2027 के आंकड़ा संग्रहण कार्य को गति देने तथा इसकी प्रगति में सुधार के संबंध में सोमवार को कार्यालय कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी सतना में बैठक एवं प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई कार्यशाला में जिला जनगणना हस्तपुस्तिका के आंकड़ा संग्रहण कार्य की वर्तमान प्रगति की समीक्षा करते हुए आगामी कार्ययोजना एवं आवश्यक तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई कार्यशाला में संयुक्त संचालक, संयुक्त

संचालनालय जनगणना कार्य, निदेशालय भोपाल के रामऔतार पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहे बैठक में प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं कलेक्टर, अतिरिक्त प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं नगर निगम आयुक्त, जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर कलेक्टर सहित जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी उपस्थित रहे जिले के समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए जबकि समस्त तहसीलदार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन जुड़े प्रशिक्षण के दौरान आगामी जनगणना कार्यों को

ध्यान में रखते हुए आंकड़ों की शुद्धता, विश्वसनीयता, पूर्णता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अपने-अपने क्षेत्र में आंकड़ा संग्रहण कार्य की नियमित रूप से निगरानी करें तथा प्रगति में आने वाली बाधाओं का तत्काल निराकरण सुनिश्चित करें सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए बैठक में उपस्थित कर्मचारियों रितिक वर्मा, अनुष्ठा सिंह बकेल एवं अखिल सिंह बकेल सहित संबंधित अमले को भी कार्य की प्रक्रिया एवं तकनीकी बिंदुओं के संबंध में आवश्यक प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया कार्यशाला के अंत में अधिकारियों एवं प्रभारियों को जिला जनगणना हस्तपुस्तिका तैयार करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका एवं उत्तरदायित्व के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया अधिकारियों ने आगामी जनगणना संबंधी सभी कार्यों को सुचारू, सुटिहित एवं समयबद्ध तरीके से संपादित करने का आश्वासन दिया।



दिखाई नहीं देती ऐसे में दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है ज्ञापन में कांग्रेस ने MPRDC की ओर से की जा रही टोल वसूली पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब सड़क के रखरखाव और बुनियादी सुविधाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है तो वाहन चालकों से टोल वसूली का औचित्य स्पष्ट किया जाना चाहिए। कांग्रेस ने सड़क की स्थिति सुधरने तक टोल व्यवस्था की समीक्षा और संबंधित एजेंसी



की जवाबदेही तय करने की मांग की कांग्रेस नेताओं के अनुसार सड़क के दोताओं और भारी वाहनों की अनधिकृत पार्किंग से मार्ग की चौड़ाई और कम हो जाती है। इससे यातायात प्रभावित होने के साथ सड़क के रखरखाव और बुनियादी सुविधाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है तो वाहन चालकों से टोल वसूली का औचित्य स्पष्ट किया जाना चाहिए। कांग्रेस ने सड़क की स्थिति सुधरने तक टोल व्यवस्था की समीक्षा और संबंधित एजेंसी

जिला और संभाग स्तर पर होंगे कृषि नवाचार संवाद दुग्ध उत्पादन में बनेगा मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि संकाय के विद्यार्थियों, किसानों और कृषि स्टार्ट-अप प्रतिनिधियों से किया संवाद रवीन्द्र भवन में हुआ कृषि नवाचार संवाद कार्यक्रम



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि युवा शक्ति को उन्नत खेती से जोड़ें, किसानों की आय बढ़ने कृषि उत्पादों के निर्यात पर राज्य सरकार विशेष ध्यान दे रही है बदलते दौर में खेती का भी समय बदला है।

नई तकनीक और नई फसलों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है युवाओं को अपनी जड़ें से जुड़ रहना आवश्यक है युवा कृषि संकाय की पढ़ाई कर अपने लिए भविष्य के लिए नए रास्ते बनाएं किसान, वैयरहाउस, पॉली हाउस

स्थापित करें मध्यप्रदेश में दुध उत्पादन बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय डेनरी डेवलपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) के साथ एमओयू किया गया है राज्य सरकार मध्यप्रदेश को दुग्ध उत्पादन में अग्रणी राज्य बनाना चाहती है दुग्ध उत्पादन किसानों की आय बढ़ने में विशेष रूप से सहायक है राज्य सरकार के प्रयासों से किसानों को अब दुध के दाम 8 से 10 रुपए प्रति लीटर अधिक मिलने लगे हैं प्रदेश में प्रतिवर्ष एक लाख गिर नस्ल की बछिया तैयार करने की योजना शीर्ष ही क्रियान्वित की जाएगी इससे दुग्ध उत्पादन बढ़ेगा पशुपालकों को उन्नत नस्लें उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना की सुरुआत की है

इन्फ्लुएंसर तथा कृषि क्षेत्र में नवाचार कर रहे व्यक्तियों से संवाद किया मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नेस्ट्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में सिंचाई का रकबा तेजी से बढ़ रहा है राज्य सरकार ने अगले 5 साल में सिंचाई का रकबा बढ़कर 100 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है हमारी कोशिश है कि हर गांव तक स्वच्छ पेयजल और हर खेत तक सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो जाए उन्होंने कहा कि हजारों सालों से हमारी पहचान कृषि प्रधान देश की है राज्य सरकार खेती में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए हर प्रकार से मदद कर रही है प्रदेश के विश्वविद्यालयों में कृषि संकाय की पढ़ाई शुरू करवाई गई है मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि



ने रक्तदान किया रक्तदान अभियान में बंसी नागदेव अमित घोषवानी, मनोष सदानी और आकाश बनजी का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर उपस्थित युवाओं और मातृशक्ति ने धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों को सेवा कार्यों से जोड़ने का संकल्प लिया सिंधु विकास समिति परिवार ने सभी रक्तवीरों का आभार जताते हुए उन्हें सम्मानित किया समिति ने कहा कि झूलेलाल जी की भक्ति का बुरे से सुंदर रूप मानव सेवा है चालिया महोत्सव पर आयोजित रक्तदान अभियान ने आस्था के साथ मानवता और सेवा का प्रेरणादायी संदेश दिया।